सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 167 | जौनपुर, मंगलवार, 04 फरवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस नेता शकील अहमद खान के बेटे ने की खुदकुशी

बिहार, (एजेंसी)। बिहार के कांग्रेस विधायक शकील अहमद खान के 18 वर्षीय बेटे अयान खान की पटना में उनके आवास पर आत्महत्या से मृत्यु हो गई। उनका शव गर्दनीबाग स्थित खान के सरकारी आवास पर उनके कमरे में लटका हुआ पाया गया। हालांकि, मौके से अभी तक कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। बिहार के कटिहार जिले के कदवा निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस विधायक रविवार को अहमदाबाद में थे, जब यह घटना हुई थी और इसके तुरंत बाद वह पटना पहुंचे। घटना के बाद, विभिन्न दलों के कई नेताओं ने कांग्रेस नेता और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए खान के आवास का दौरा किया। बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन भी शकील अहमद खान के घर पहुंचे। हुसैन ने मीडियाकर्मियों से कहा कि यह बहुत दुखद है। शकील अहमद खान के बेटे की आत्महत्या से मौत हो गई है। जब दरवाजा तोड़ा गया तो नजारा दुखद था। शकील अहमद खान यहां नहीं हैं। उसकी परीक्षाएं आने वाली थीं, वह एक अच्छा छात्र था और दबाव में लग रहा था। हम शकील अहमद खान के साथ हैं, वह इकलौता बेटा था और इससे अधिक दुखद कुछ नहीं हो सकता। मैंने परिवार से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। ऐसा कोई तनाव नहीं था।

अगर फंड चाहिए तो केरल को पिछड़ा घोषित करें

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने यह सुझाव देकर विवाद खड़ा कर दिया है कि अगर केरल को केंद्र से अधिक धन प्राप्त करने की उम्मीद है तो उसे खुद को पिछड़ा घोषित करना होगा। यह टिप्पणी व्यापक आरोपों के बीच आई है कि केंद्रीय बजट 2025 में राज्य की उपेक्षा की गई है। कुरियन के बयान पर सत्तारूढ़ वामपंथियों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जो अब केंद्र पर केरल विरोधी होने का आरोप लगा रहे हैं। सीपीआई–एम सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि यह बेहद नृशंस है कि दो मंत्री ऐसी टिप्पणियां कर रहे हैं जो संवैधानिक सिद्धांतों के अनुरूप नहीं हैं। यह बेहद अत्याचारपूर्ण, निंदनीय है और हम उम्मीद करते हैं कि प्रधानमंत्री इन दोनों मंत्रियों पर कार्रवाई करेंगे। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के सांसदों ने केंद्रीय बजट में भेदभाव और केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन और सुरेश गोपी के बयानों पर संसद में विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस सांसद हिबी ईडन ने कहा कि केरल राज्य के एक सम्मानित मंत्री, जॉर्ज कुरियन, जो मत्स्य पालन मंत्रालय का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, कैसे कह सकते हैं कि केरल एक अविकसित स्थान है। केरल किसी भी दृष्टि से भारत में हमेशा से एक बहुत ही महत्वपूर्ण राज्य रहा है। उन्होंने कहा कि केरल को उसके कई स्वास्थ्य और शिक्षा हस्तक्षेपों के लिए हमेशा सराहना मिली है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह कह सकते हैं कि केरल एक अविकसित राज्य है,। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। पूरा केरल समुदाय इस बयान के पूरी तरह खिलाफ है।

बसंत पंचमी पर पवित्र त्रिवेणी संगम में अमृत स्नान करने वाले साधु संतों और श्रद्धालुओं को सीएम योगी ने दी बधाई

प्रयागराज, (संवाददाता)। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर महाकुम्भ 2025 में पवित्र त्रिवेणी संगम में अमृत स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित करने वाले पूज्य साधु–संतों, धर्माचार्यों, सभी अखाड़ों, कल्पवासियों एवं श्रद्धालुओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हार्दिक बधाई दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, ष्महाकुम्भ केवल भारत नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए आध्यात्मिक प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की भी सराहना की और कहा कि इस आयोजन में भाग लेने वाले श्रद्धालु भगवान की कृपा प्राप्त करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस महाकुम्भ को भारत की सांस्कृतिक धरोहर और आध्यात्मिक मूल्यों को प्रस्तुत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर बताया और इसके द्वारा समाज में शांति, समृद्धि और सद्भाव की भावना को साझा करने की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की भी सराहना की और कहा कि इस आयोजन में भाग लेने वाले श्रद्धालु भगवान की कृपा प्राप्त करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस महाकुंभ को भारत की सांस्कृतिक धरोहर और आध्यात्मिक मूल्यों को प्रस्तुत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर बताया और इसके द्वारा समाज में शांति, समृद्धि और सद्भाव की भावना को साझा करने की शुभकामनाएं दीं। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी से आयोजित भव्य महाकुंभ में सोमवार को हर–हर महादेव का जयघोष करते हुए देसी–विदेशी श्रद्धालुओं ने अमृत स्नान किया।

दिल्ली की तकदीर और तस्वीर को बदलने का चुनाव : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज दिल्ली के बुराड़ी में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान नड्डा ने कहा कि यह चुनाव, आप–दा से मुक्ति पाने का चुनाव है। यह चुनाव, दिल्ली को फिर से विकसित बनाने की ओर बढ़ाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि 10 साल में, आप–दा वालों ने बस प्रेस वार्ता कर मोदी जी को गाली दी है। केंद्र सरकार पर आरोप लगा कर अपनी नाकामियों को छिपाया है। उन्होंने कहा कि ये केजरीवाल, झूठ बोलने की मशीन हैं, झूठ का विश्वकोश है। सिवाय झूठ बोलने और लोगों को गुमराह करने के इन लोगों ने पूरे 10 साल कुछ नहीं किया। भ्रष्टाचार में तो रिकॉर्ड तोड़ दिया। जिस पार्टी ने 10 साल पहले भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने का ढोंग रचा था और खुद को कट्टर

ईमानदार बताते थे, वो कट्टर भ्रष्टाचारी निकले। नड्डा ने कहा कि इन्होंने (आम आदमी पार्टी) बसों में पैनिक बटन लगाने का दावा किया और 500 करोड़ रुपये का घोटाला किया। जबकि किसी बस में पैनिक बटन नहीं दिखती है। असल में पैनिक बटन की जरूरत तो श्शीश महलश में थी, जहां महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली कूड़े का ढेर बन गई है, गली–गली, घर–घर कूड़े का ढेर लगा हुआ है। 5 साल पहले, ये (केजरीवाल) गाजीपुर में कूड़े का पहाड़ देखने गए थे और बता रहे थे कि मैं इसे साफ कर दूंगा। कूड़े के पहाड़ को तो साफ नहीं किया, बल्कि आपके घर के आगे कूड़े का ढेर लगा दिया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आवास योजना के तहत अब तक 4 करोड़ मकान बनाए गए।

भारत लाखों अवैध प्रवासियों को नहीं रख सकता : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि देश में लाखों की संख्या में अवैध प्रवासी नहीं रह सकते और चुनावी राजनीति को जनसांख्यिकीय अव्यवस्थाओं से प्रभावित होने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसी के साथ उन्होंने युवाओं से राष्ट्र विरोधी बयानों को समाप्त करने की अपील की। राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने संसद में बार–बार होने वाले व्यवधान पर भी चिंता जाहिर की। राष्ट्रीय राजधानी में 'वर्ल्ड फोरम ऑफ अकाउंटेंट्स' (डब्ल्यूओएफए) सम्मेलन के दौरान धनखड़ ने कहा कि युवाओं को अस्तित्व संबंधी चुनौतियों के बारे में चिंतित होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमारे देश में लाखों अवैध प्रवासी नहीं रह सकते... हम अपनी चुनावी राजनीति को जनसांख्यिकीय अव्यवस्थाओं से प्रभावित नहीं होने दे सकते। ये चीजें आपके लिए मायने रखती हैं क्योंकि ये ऐसी चुनौतियां हैं जिनका आपको सामूहिक रूप से जवाब देना होगा।' धनखड़ ने विस्तार से बताए बिना कहा, ''मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है...कहा जाता है कि समझदार को इशारा काफी होता है।'' उपराष्ट्रपति ने इस बात पर चिंता जाहिर कि कुछ लोग और संस्थाएं देश की विकास यात्रा से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा कि देश में सनसनी फैलाने और कहानी गढ़ने का चलन जारी है। उन्होंने कहा, ''कहानियों में भारतीयता को भूल जाते हैं, राष्ट्रवाद को भूल जाते हैं और राष्ट्रहित को भी भुला दिया जाता है।'' धनखड़ ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि इन राष्ट्र–विरोधी कहानियों को समाप्त करने तथा भारत विरोधी ताकतों को हराने की शक्ति उनके हाथ में है। 'इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया' (आईसीएआई) द्वारा आयोजित सम्मेलन में उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक राष्ट्रवाद की भावना को आत्मसात करने की आवश्यकता है क्योंकि ऐसा दृष्टिकोण अर्थव्यवस्था के लिए लाभकारी होगा।

मोदी की गारंटी मतलब पत्थर पर खींची लकीर, अमित शाह का केजरीवाल पर वार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली चुनाव के प्रचार के अंतिम दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जंगपुरा में चुनावी रैली को संबोधित किया। शाह ने हुंकार भरते हुए कहा कि 8 फरवरी को दिल्लीवाले आप–दा सरकार को झाड़ू लगाकर बाहर फेंकने वाले हैं। आप और अरविंद केजरीवाल पर हमला करते हुए अमित शाह ने सवाल किया कि 10 वर्षों तक, अनेक वादे कर केजरीवाल और उनके चट्टे–बट्टों ने दिल्ली को क्या दिया? भ्रष्टाचार दिया, कूड़ा कचरा दिया, जहरीला पानी दिया, तुष्टिकरण दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आप और केजरीवाल ने दिल्ली को धोखा दिया है। अमित शाह ने जंगपुरा से आप प्रत्याशी और आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया पर

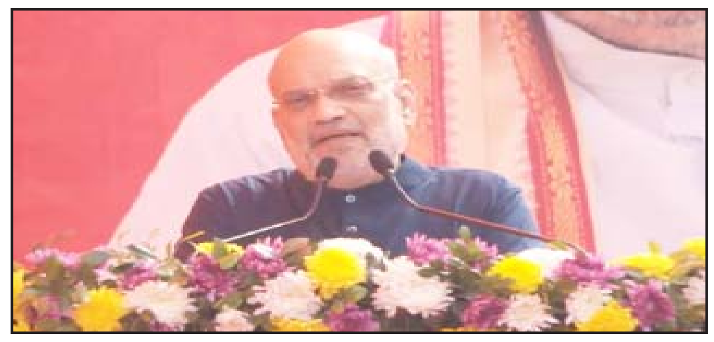

निशाना साधते हुए कहा कि देशभर में एक ही शिक्षा मंत्री है, जो शराब घोटाला मामले में जेल गया है। शिक्षा मंत्री का काम होता है, बच्चों को शिक्षा देना, स्कूल बनाना, शिक्षकों का कल्याण करना, नए कॉलेज बनाना। ये सब तो कुछ उन्होंने (मनीष सिसोदिया) किया नहीं, बल्कि दिल्ली में गली–गली में शराब की दुकानें खोली हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भाजपा एक अकेली ऐसी पार्टी है, जो कहती है वो करती है। मोदी की गारंटी मतलब पत्थर पर खींची लकीर। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 में भाजपा ने वादा किया था कि हम इस देश से आतंकवाद को समाप्त कर देंगे। 10 साल के अंदर इस देश से आतंकवाद को समाप्त करने का काम प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया है। 31 मार्च, 2026 तक हम इस देश से नक्सलवाद को भी समाप्त कर देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने वादा किया था कि हम जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाएंगे। केजरीवाल जी, राहुल बाबा, अखिलेश, ममता जी... इन सभी ने विरोध किया और कहा कि अनुच्छेद 370 हटाओगे तो कश्मीर में खून की नदियां बह जाएंगी। शाह ने कहा कि मोदी जी ने 5 अगस्त, 2019 को जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हमेशा के लिए समाप्त कर दिया। खून की नदियां छोड़ो किसी की पत्थर चलाने की भी हिम्मत नहीं हुई।

प्रचार के अंतिम दिन अखिलेश यादव–भूपेंद्र चौधरी झोकेंगे ताकत, सपा ने लगाए प्रशासन पर आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव तीन फरवरी को मिल्कीपुर में जनसभा करेंगे। अखिलेश ने कहा कि भाजपा मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में बेईमानी पर उतारू है। कोटेदारों और प्रधानों पर प्रशासन दबाव बना रहा है। सपा अध्यक्ष रविवार को जारी बयान में कहा कि जनता सपा को जिताने को तैयार है, पर सरकार के दबाव में प्रशासन समाजवादी पार्टी को हराना चाहता है। भाजपा लोकतंत्र और संविधान दोनों का तिरस्कार कर रही है। भाजपा, सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर झूठे और फर्जी मुकदमे लगवाकर उन्हें परेशान कर रही है। भाजपा सरकार का रवैया तानाशाहीपूर्ण है। भ्रष्टाचार और लूट चरम पर है। हर विभाग में भ्रष्टाचार है। आपराधिक घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। भाजपा राज में बहन बेटियां सुरक्षित नहीं है। अखिलेश ने कहा कि अयोध्या के ग्रामसभा सहनवां (सरदार पटेल वार्ड) से गायब दलित परिवार की बेटी का शव निर्वस्त्र अवस्था में मिला है। प्रशासन ने पहले ही अगर परिवार की सूचना पर ध्यान दिया होता तो बच्ची की जान बचाई जा सकती थी। लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई हो और पीड़ित परिवार को तत्काल 1 करोड़ रुपये मुआवजा दिया जाए। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार में अयोध्या में किसानों की जमीनों की लूट हो रही है। किसानों की जमीनों को कम कीमतों पर अधिग्रहण कर सरकार के नजदीकियों को दिया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सोमवार को मिल्कीपुर में मोर्चा संभालेंगे। इस दौरान उनकी ओर से उपचुनाव में प्रभारी के तौर पर काम कर रहे प्रदेश सरकार के सातों मंत्रियों, अन्य वरिष्ठ नेताओं व जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक भी की जाएगी। रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से मिल्कीपुर में जनसभा कर वापस लौटने के बाद अब प्रदेश अध्यक्ष यहां पहुंचेंगे। वे सुबह ही अयोध्या आ जाएंगे। रामलला और हनुमानगढ़ी दर्शन करने के लिए जाने की भी संभावना है। इसके बाद शाम तक यहीं पर प्रवास करेंगे।

वह कौन गुंडा है जिससे दिल्ली पुलिस डरती है, भाजपा पर बरसे केजरीवाल, चुनाव आयुक्तपर भी साधा निशाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के अंतिम दिन आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और दावा किया कि राष्ट्रीय राजधानी में उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमले हो रहे हैं। उन्होंने श्डबल इंजनश सरकार पर भी निशाना साधा और कहा कि जिस तरह से दिल्ली चुनाव में गुंडागर्दी हो रही है, देश की जनता जानना चाहती है कि यह कौन कर रहा है और सबसे बड़ा गुंडा कौन है। केजरीवाल ने भाजपा पर वार करते हुए पूछा कि आप कार्यकर्ताओं पर हमले हो रहे हैं, पुलिस असहाय है। वह कौन गुंडा है जिससे दिल्ली पुलिस डरती है। केजरीवाल ने कहा कि रविवार को पहली बार ऐसा हुआ कि पत्रकारों पर हमला हुआ और एक का सिर काट दिया गया। कवरेज करने गए पत्रकारों को निकाल दिया गया। ये सब देश की संसद से 1 किलोमीटर की दूरी पर हो रहा है। केजरीवाल ने कहा कि जिस तरह से चुनाव आयोग ने भारतीय जनता पार्टी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है, ऐसा लगता है जैसे चुनाव आयोग का कोई अस्तित्व ही नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। लोगों के मन में यह सवाल आना बिल्कुल जायज है कि राजीव कुमार जी, जो मुख्य चुनाव आयुक्त हैं, इस महीने के अंत में सेवानिवृत्त हो रहे हैं, सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें किस तरह का पद ऑफर किया गया है? राज्यपाल का पद, राष्ट्रपति का पद, यह किस प्रकार का पद हो सकता है? आप नेता ने कहा कि मैं राजीव कुमार जी से हाथ जोड़कर विनती करता हूं। अपना कर्तव्य निभाओ, पद की इच्छा छोड़ो, पद का लोभ छोड़ो। अब अपने करियर के अंत में देश को, देश के लोकतंत्र को नष्ट मत करो। केजरीवाल ने रविवार शाम को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अगर वे सत्ता में आए तो उनकी सरकार दिल्ली में लोगों को दी जा रही पांच सुविधाएं बंद कर देगी, जिनमें मुफ्त बिजली, पानी, सरकारी स्कूल, मोहल्ला क्लीनिक और महिलाओं के लिए बस सेवाएं शामिल हैं।

महाकुंभ हादसे में षड्यंत्र की बूय जया बच्चन का बेतुका बयान– सबसे दूषित पानी कुंभ में : रविशंकर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महाकुंभ हादसे को लेकर सोमवार को विपक्ष ने संसद में जमकर हंगामा किया। विपक्ष की मांग है कि स्थगन प्रस्ताव लाकर महाकुंभ हादसे पर चर्चा की जाए और मृतकों की संख्या की पुष्टि की जाए। विपक्ष ने राज्यसभा से इस मुद्दे पर वॉकआउट भी किया। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने आशंका जताई कि महाकुंभ हादसे में षड्यंत्र हो सकता है और हादसे की जांच के बाद पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी। वहीं सपा सांसद जया बच्चन ने महाकुंभ हादसे को लेकर बेतुका बयान दिया और कहा कि इस वक्त सबसे दूषित पानी कुंभ का है क्योंकि भगदड़ के बाद लोगों के शव गंगा में बहाए गए। रविशंकर प्रसाद ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में चर्चा के दौरान कहा कि श्राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में महाकुंभ की भी चर्चा की। कल रात तक खबर मिली

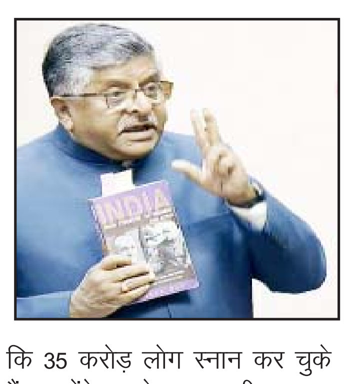

कि 35 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। उन्होंने हादसे पर दुख भी जताया, लेकिन उस हादसे की भी जांच चल रही है और उसमें भी षड्यंत्र की बू आ रही है। जब पूरी जांच हो जाएगी तो वो हादसा किसने करवाया, उन्हें शर्म से झुकना पड़ेगा।श भाजपा सांसद ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि श्ये कुंभ और सनातन का नाम सुनते ही इन्हें परेशानी क्यों हो जाती है। लेकिन मैं एक बात इस सदन में साफ करना चाहता हूं कि सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। हजारों साल में तो लोग सनातन को कमजोर कर नहीं सके तो ये लोग क्या हैं। सपा की राज्यसभा सांसद जया बच्चन ने संसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि अभी सबसे दूषित पानी कहां का है? कुंभ का है। शव नदी में फेंके गए, जिससे पानी दूषित हुआ। असल मुद्दों पर बात नहीं हो रही है। आम व्यक्ति जो कुंभ जा रहा है, उसे विशेष सुविधाएं नहीं मिल रही हैं और उनके लिए कोई इंतजाम नहीं हैं।

राहुल गांधी ने विदेश नीति–चीन को लेकर कही ऐसी बात, भड़का सत्ता पक्ष, नेता विपक्ष से मांगे सबूत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में चर्चा के दौरान नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सरकार पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने कुछ ऐसी बातें कही, जिन पर सदन में हंगामा हुआ और सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई। दरअसल राहुल गांधी ने कहा कि चीन भविष्य की तकनीक पर तेजी से काम कर रहा है, लेकिन भारत उसमें बहुत पीछे है। राहुल गांधी ने चीन के सीमा पर आक्रामक रुख और भारतीय विदेश नीति को लेकर सरकार की तीखी आलोचना की। राहुल गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में चर्चा के दौरान कहा कि श्चीन आज एआई, बैट्री, इलेक्ट्रिक कार, ऑप्टिक्स के क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन हम इसमें पीछे हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण में इस मुद्दे पर बात होनी चाहिए थी। साथ ही हमारे बैंकिंग सेक्टर पर दो या तीन बड़ी कंपनियों का ही प्रभाव नहीं होना चाहिए और छोटी और मध्यम वर्ग की कंपनियों को भी बैंकिंग सेक्टर तक आसान पहुंच होनी चाहिए। अगर ऐसा होता तो हमारे विदेश मंत्री को तीन–चार बार अमेरिका जाकर ये नहीं कहना पड़ता कि हमारे प्रधानमंत्री को आमंत्रित करें।श राहुल गांधी ने कहा कि श्अगर हमने इन क्षेत्रों में काम किया होता तो अमेरिका खुद हमारे प्रधानमंत्री को आमंत्रित करता। राहुल गांधी के इस बयान पर सत्ता पक्ष ने आपत्ति जताई। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि श्नेता विपक्ष बिना किसी तथ्यों और सबूतों के ऐसे

गंभीर आरोप न लगाएं। ये दो देशों के बीच के संबंधों का मामला है। ऐसे में आधारहीन आरोप नहीं लगाए जाने चाहिए।श अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिनों अपने शपथ ग्रहण समारोह में चीन के राष्ट्रपति को आमंत्रित किया था, लेकिन भारत से विदेश मंत्री एस जयशंकर, ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। राहुल गांधी के बयान को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। राहुल गांधी ने चीन के सीमा पर आक्रामक रुख को लेकर भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि श्चीन की सीमा पर आक्रामकता को लेकर सैन्य अधिकारियों के बयानों में अंतर है। चीन ने हमारी सीमा में घुसपैठ की है, इस बात से प्रधानमंत्री इनकार कर रहे हैं, लेकिन सेना ने पीएम के बयान से असहमति जताई है।श इस पर भी सत्तापक्ष ने आपत्ति जताई और दावा किया कि नेता विपक्ष बिना तथ्यों के आधारहीन बात कर रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने भी राहुल गांधी से उनके बयान के पक्ष में सबूत देने की मांग की।

संपादकीय

आयकर कटौती

लंबे अर्से से बढ़ती कीमतों, स्थिर वेतन और करों के बोझ से मध्यम वर्ग वित्तीय दबाव में था। केंद्रीय बजट 2025 में मोदी सरकार ने आयकर छूट सीमा बढ़ाकर व कर दरों में कमी से राहत देने की कोशिश की है। किंतु–परंतु न हो तो अब बारह लाख तक की आय वाले व्यक्ति को कोई कर नहीं देना होगा। धारणा है कि इससे लोगों की आय बढ़ने से उपभोक्ता खर्च में वृद्धि होगी। खपत में वृद्धि से मांग बढ़ेगी जो कालांतर उद्योगों– अर्थव्यवस्था को गति देगी। निस्संदेह आयकर व्यवस्था का सरलीकरण स्वागत योग्य कदम है। वरिष्ठ नागरिकों की ब्याज आय पर कटौती की सीमा को दुगनी करके एक लाख रुपये सालाना करने से उन्हें लाभ मिलेगा। इसी तरह किराये की आय पर निर्भर सेवानिवृत्त लोगों को बढ़ी हुई टीडीएस सीमा का लाभ होगा, जिसे अब बढ़ाकर छह लाख सालाना कर दिया गया है। लेकिन दूसरी ओर ईपीएफ,पीपीएफ, बीमा और होम लोन पर प्रमुख कटौतियों का लाभ हटाने से आम आदमी की वास्तविक बचत खत्म हो सकती है। जिससे दीर्घकालीन बचत में गिरावट संभावित है। नई व्यवस्था पीपीएफ और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में निवेश को हतोत्साहित करती है। यह स्थिति उनकी भविष्य की वित्तीय सुरक्षा को कमजोर कर सकती है। कर राहत के साथ जरूरी है कि मध्यम वर्ग की आय में वृद्धि हो और मुद्रास्फीति पर नियंत्रण किया जाए। निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्त लोगों की सामाजिक सुरक्षा के बारे में भी सोचना जरूरी है। लेकिन आयकर राहत से मध्यम वर्ग की बचत–खपत बढ़ने से क्या वास्तव में आर्थिकी को गति मिल सकेगी? एक अनुमान के अनुसार भारत में आबादी का चालीस फीसदी मध्यम वर्ग के दायरे में आता है। दरअसल, भारतीय अर्थव्यवस्था मांग की कमी से जूझ रही है। मध्य वर्ग ही वस्तुओं और सेवाओं का बड़ा उपभोक्ता वर्ग है। उसकी क्रय शक्ति कम होने व बचत नहीं होने से उसकी खरीद क्षमता बाधित हुई है। मांग कम होने से उत्पादन में गिरावट आई है और नया निवेश प्रभावित हो रहा है। यही वजह है कि बीते वर्ष में विकास दर पिछले चार सालों में सबसे कम 6.4 रही है जिसके आर्थिक सर्वे में इस साल 6.8 तक रहने का अनुमान है। जो विकसित भारत के लक्ष्यों के अनुरूप नहीं है। सरकार का मानना है कि आयकर में कटौती से बचत और खपत को बढ़ावा मिलेगा। दरअसल, मध्यम वर्ग उपभोक्ता, कर्मचारी और सहायक सेवा करने वाले लोगों का नियोक्ता होता है। सरकार मानती है कि इससे अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। वहीं कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि देश में अप्रत्यक्ष करों में कमी से मांग को ज्यादा बढ़ावा मिल सकता है। अप्रत्यक्ष कर मध्यमवर्ग के बजाय गरीब लोगों को भी देना पड़ता है। दरअसल, हमारी एक सौ चालीस करोड़ की आबादी में नौ करोड़ लोग आयकर रिटर्न भरते हैं और साढ़े तीन करोड़ लोग आयकर देते हैं। इनको राहत देने से सीमित वर्ग की क्रय शक्ति ही बढ़ेगी। कुछ लोग इसे दिल्ली के विधानसभा चुनाव की दृष्टि से उठाया गया कदम बताते हैं क्योंकि वहीं बड़ी संख्या में आयकर दाता सरकारी कर्मचारी रहते हैं।

सत्ता में बने रहने का चुनावी बजट

एनडीए सरकार ने 1 फरवरी को अपना पूर्णकालिक बजट पेश किया। प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल के इस पहले पूर्ण बजट में सत्ता पर किसी भी तरह बने रहने की भाजपा की लालसा साफ तौर पर नजर आई। लोकसभा चुनावों में भाजपा नुकसान उठा चुकी है, तो अब इसकी भरपाई के लिए उसने मध्यवर्ग को लुभाने की कोशिश की है। इसके साथ ही इस बजट में दिल्ली और बिहार में होने वाले विधानसभा चुनावों का असर भी साफ दिखा। दिल्ली में तो इस समय चुनाव प्रचार जोरों पर है और ढाई दशक से सत्ता से बाहर भाजपा का दावा है कि इस बार दिल्ली की जनता उसे मौका देगी। अपने दावे को सच करने के लिए भाजपा इस बार केन्द्रीय कर्मचारियों और वेतनभोगी मध्यवर्ग को अपने पाले में करने की कोशिश में है। अभी हाल ही में आठवें वेतन आयोग का गठन इसी दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है। अब 2025–26 के बजट में केंद्र सरकार ने बड़ा ऐलान किया है कि 12 लाख रुपये तक की सालाना आय कर मुक्त रहेगी यानी कोई आयकर नहीं देना होगा और वेतनभोगी लोगों के लिए ये सीमा 12 लाख 75 हजार रुपए हैं। सरकार ने करमुक्त आय की सीमा को सीधे 5 लाख रुपए बढ़ाया दिया है। जो बहुत से लोगों की नजर में मोदी का मास्टर स्ट्रोक है। क्योंकि इससे देश का मध्यवर्ग खुश हो सकता है। मध्यवर्ग के दायरे में वो लोग शामिल होते हैं, जिनकी सालाना आय 5 से 30 लाख रुपये है। पीपुल्स रिसर्च ऑन इंडियाज कंज्यूमर इकानॉमी के मुताबिक फिलहाल देश की आबादी का 40 प्रतिशत मध्यवर्ग के दायरे में आता है। इस लिहाज से देखें तो लगेगा कि देश के 40 प्रतिशत लोग इस फैसले से राहत पाएंगे। लेकिन यह गणित इतना सीधा नहीं है। भारत की लगभग एक अरब चालीस करोड़ की आबादी में सिर्फ साढ़े नौ करोड़ लोग आयकर भरते हैं और उनमें से भी छह करोड़ लोग शून्य रिटर्न दाखिल करते हैं, इसका मतलब केवल साढ़े तीन करोड़ लोगों को इस कर में छूट का लाभ मिलेगा। सरकार का दावा है कि यह कदम खपत और निवेश को बढ़ावा देने के लिए है। भारतीय अर्थव्यवस्था इस वक्ग्त मांग की कमी से जूझ रही है। भारत की आर्थिक विकास दर अभी 6.4 प्रतिशत है जो पिछले चार साल में सबसे सुस्त गति दिखा रही है। आर्थिक सर्वे में 6.3 से लेकर 6.8 प्रतिशत विकास का अनुमान लगाया जा रहा है, जबकि देश को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत तक चाहिए। सरकार इस लक्ष्य को शायद आयकर में छूट देकर हासिल करना चाहती है। वस्तुओं और सेवाओं का सबसे बड़ा उपभोक्ता समूह मध्यवर्ग होता है, लगातार बढ़ रही महंगाई और बेरोजगारी के कारण उस के हाथ में पैसा नहीं बच रहा है इसलिए खरीद क्षमता प्रभावित हुई और अर्थव्यवस्था में मांग घट गई है। कंपनियों ने भी कम खपत के कारण उत्पादन कम किया है और नए निवेश में भी कमी आई है। अब इस छूट से सरकार उम्मीद बांध रही है कि मांग, खपत, निवेश और बचत सारे लक्ष्य एक साथ साध लेगी। हालांकि सरकार का ही कहना है कि मध्यवर्ग को दी जा रही इस राहत से सरकारी खजाने पर करीब एक लाख करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। प्रकारांतर से यह छूट भी उसी रेवड़ी संस्कृति का हिस्सा दिख रहा है, जिसकी मुखालफत श्री मोदी खुद करते हैं। बहरहाल मध्यवर्ग को दी गई इस राहत से फौरी विकास तो शायद नजर आ जाए, लेकिन इसका दीर्घकालिक असर क्या पड़ेगा, ये विचारणीय है। राजकोषीय घाटे में एक लाख करोड़ का बोझ सरकार किस तरह उठाएगी या अप्रत्यक्ष तरीके से जनता से कैसे वसूली करेगी ये देखना होगा। अभी अप्रत्यक्ष करों के जरिए भी सरकार को अच्छी–खासी कमाई होती है और उसमें केवल मध्यवर्ग नहीं गरीब से गरीब व्यक्ति को भी जेब हल्की करनी पड़ती है। ज्यादातर वस्तुओं और सेवाओं पर ली जाने वाली जीएसटी की दरें 28 प्रतिशत तक हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिकध जीएसटी संग्रह लगातार बढ़ रहा है, साल 2023 की तुलना में साल 2024 में इसमें 7.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और ये दिसंबर 2024 में 1.77 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यानी सरकार अप्रत्यक्ष कर के जरिये लोगों की जेब से ज्यादा पैसा निकाल रही है। बजट में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए खास प्रावधान नहीं है। कृषि, मनरेगा, रोजगार कौशल, आंगनबाड़ी और पोषण कार्यक्रमों आदि। के लिए बेहद मामूली बढ़त की गई है, जो ऊंट के मुंह में जीरा साबित होगी। लगभग 50 लाख करोड़ के आम बजट में अगर सभी तबकों के लिए यथोचित प्रावधान होते,।

राम भरोसे चल रही व्यवस्था के निहितार्थ

ज्योति मल्होत्रा

जो राख से राख, धूल से धूल। उतनी ही भक्ति, निराशा, हताशा, क्रोध३ और तो और संतुष्टि तक को भी खुद में समा ले, सबसे बढ़कर है उसकी पिछले कुछ सहस्राब्दियों से जारी तिरस्कार को सहन करने की शक्ति। और इसीलिए, इस सप्ताह की शुरुआत में प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में पवित्र मौनी अमावस्या की रात को गंगा ने 31 और शवों को जज्ब कर लिया दृ बगल के गांव झूसी में भी सात अन्य शवों को दृ एक दिन पहले हुई यह भगदड़ हालांकि बहुत छोटी थी। जहां पर कई करोड़ लोग शरीर और आत्मा की शुद्धि के लिए ठीक एक ही समय पर संगम में पवित्र डुबकी लगाएं, वहां 38 जिंदगियां कहां गिनती में। योगी आदित्यनाथ ने अभी भी मृतकों की उस गिनती की पुष्टि नहीं की है जो उनकी पुलिस बता रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने शोक संतप्त परिवारों को दिलासा दिया है। विश्व हिंदू परिषद के वैश्विक प्रमुख आलोक कुमार का कहना है कि इसमें भी 'प्रभु की इच्छा' है। समस्या यह है कि विश्व हिंदू परिषद का नेता सही है। पिछले कुछ दिनों से गंगा किनारे के आश्रमों और अखाड़ों में तीर्थयात्रियों की मौत पर भले ही गहरा दुःख पसरा हो, लेकिन कुल मिलाकर यह भावना अभी भी प्रबल है 'चलो, हो गया। था तो भयानक, लेकिन फिर यह कुंभ है। वह भी कोई साधारण नहीं, बल्कि महाकुंभ। जब लाखों श्रद्धालु एक साथ इतनी छोटी–सी जगह में इकट्ठे प्रार्थना करना चाहते हों, तो किसी भी सरकार को कैसे दोषी ठहराया जा सकता है?' मेरे जैसे लोग आस्थावानों के अडिग भाग्यवाद पर प्रश्न कर सकते हैं, शायद समस्या का यह भी एक हिस्सा है। आप में कुछ अधिक उद्वेलित हुए अपने पैर पटकते हुए मांग कर सकते हैं कि इस मुख्यमंत्री को बर्खास्त करो, उस डीजीपी का तबादला करो। इसके बजाय, मेरा आपसे अनुरोध है कि गर्माइश भरे अपने घरों से बाहर निकलकर निकटतम रेलवे स्टेशन पर पहुंचें, जहां से प्रयागराज के लिए 'कुंभ स्पेशल' रेलगाड़ियां रवाना हो रही हैं। अपने सिर पर खाने–पीने का सामान लादकर ले जाते श्रद्धालु दिखेंगे रू सबसे गरीब तबके के लोग, जिनके पास आलम्बन के तौर पर सर्वशक्तिमान में विश्वास के अलावा कुछ भी नहीं है दृयह सोचकर कि शायद, किसी दिन, वह उनकी हालत बहुराएगा। रेल के डिब्बे इंसानों से खचाखच भरे हैं, तंबई रंग के चेहरों पर काली, उम्मीद भरी आंखें, सिर पर गमछा बांधे पुरुष, चमकीले रंग की साड़ियां पहने महिलाएं दृ लाल, नारंगी, गुलाबी दृ जो कि उर्वरता और मेले के रंग हैं। बेशक, यह तीर्थयात्रा आनंद पाने के लिए भी है। गंगा पर बने पंटून पुलों से होते हुए संगम की ओर जाते वक्त और वहां से वापसी के दौरान 'जय मां गंगे' का जयकारा गूंजता रहता है! वह रेत, जहां बमुश्किल पांच साल पहले, कोविड के भयानक वर्षों के दौरान शवों को दफनाया गया था। उस रेत को सूंघते–खोदते कुत्तों की तस्वीरें आपको याद होंगी। अब परिवार के परिवार उसी रेत पर विश्राम कर रहे हैं, किटकैट चॉकलेट के रैपरों से बनी प्लास्टिक की चादरों पर। गृह मंत्री अमित शाह और उनकी पत्नी, और साथ में योगी भी, सोमवार को संगम में डुबकी लगाने पहुंचे थे। इसलिए शहर को जोड़ते 17 पुलों को पुलिस ने सुरक्षा के नाम पर बंद कर दिया था। असहनीय थकान से चूर, गोद में बच्चा उठाए मांएं और वृद्ध की दृश्यावली है, जो यूपी पुलिस से उन्हें जाने देने की गुहार लगा रहे थे, लेकिन उसने एक न सुनी। अब उनको 4 किमी. आगे जाकर बने 18वें और 19वें पुल तक और घिसटना पड़ा। पुलिस वालों का कहना था : 'ऊपर से आदेश आया है।' मौनी अमावस्या की भगदड़ से एक छोटा–मोटा राजनीतिक वाकद्द युद्ध छिड़ गया, जिसमें अखिलेश यादव ने बदइंतजामी का आरोप जड़ा और कहा कि मौतों की बताई जा रही कम संख्या पर उन्हें विश्वास नहीं है, जबकि राहुल गांधी ने 'वीआईपी संस्कृति' के बारे में शिकायत की है, जो आम लोगों के साथ भेदभाव करती है। निश्चित रूप से, अभी भी कई लोग लापता हैं। न्यायिक जांच सच्चाई का पता लगाने की कोशिश करेगी, लेकिन तथ्य यही रहेगा कि उत्तर प्रदेश की राजनीति के महासागर में हलचल मचाने को विपक्षी नेताओं की कही एक भी बात का बूंद बराबर भी असर नहीं है, क्योंकि उन्हें मौजूदा राजनीतिक स्थिति में गंभीर विकल्प के रूप में नहीं देखा जाता। योगी के खिलाफ कोई भी गुस्सा, जैसा कि अब स्पष्ट है, केवल उन गुमनाम भक्तों की ओर से ही आएगा, जिन्हें लगता है कि बहुसंख्यक जनादेश से चुने मुख्यमंत्री ने उनका ख्याल रखने के लिए पर्याप्त नहीं किया। इसके अलावा, आलोचक यह भी कहेंगे कि यह गुस्सा राजनीतिक चुनौती में तब तक तबदील नहीं हो सकता जब तक कि किसी के द्वारा इसे दिशा नहीं दी जाती। यूपी में चाहे ऊपर देखें या नीचे– आज कोई एक ऐसा नेता नहीं है जिसके पास विश्वसनीयता, राजनीतिक कूवत या टिकने का वह माद्दा हो, जो भाजपा का सामना कर सके। विपक्षी नेताओं को सत्ताधारी पार्टी को उसके निरंकुश व्यवहार के लिए कोसना पसंद है दृ और भगवान जाने, उनमें बहुत से सही कह रहे हैं। लेकिन देखिए तो, जब पिछले हफ्ते अरविंद केजरीवाल और भाजपा के बीच दिल्ली में यमुना की गंदगी को लेकर राजनीतिक उबाल बना तो राहुल गांधी ने क्या किया? उन्होंने एसएएनडीआरपी नामक एनजीओ के एक कार्यकर्ता को नाव में साथ लिया और नदी का मुआयना करने निकले दृ जो वास्तव में अब एक नाले जितनी बची है ताकि उससे जान सकें कि चल क्या रहा है। पीठ पीछे से आती किरणों में राहुल की छवि बढ़िया लग रही थी। लेकिन चलिए सीधे मुद्दे पर आते हैं और उनसे पूछते हैं कि दिल्ली में कांग्रेस को कितने वोट मिलने जा रहे हैं? और अगर राहुल मोदी की भाजपा के खिलाफ एक संयुक्त अखिल भारतीय ब्लॉक बनाने के लिए इतने ही उत्सुक हैं, तो उन्होंने पिछले साल हरियाणा के चुनावों में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन करने

करने वाली उनकी सलाह का विरोध करने वाले अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के फैसले को उलट क्यों नहीं दिया? और इस बार दिल्ली में उन्होंने वही विचार क्यों नहीं पेश किया? याद दिला दें, हरियाणा में जीतने वाली भाजपा (39.94:) और हारने वाली कांग्रेस (39.09:) के बीच वोट–विभाजन का अंतर महज 0.85 प्रतिशत अंक रहा, जबकि आम आदमी पार्टी ने 1.79 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। अंदाजा लगाइए कि अगर कांग्रेस और 'आप' मिलकर लड़े होते तो कौन जीतता। फिर भी, कांग्रेस सबक सीखने को राजी नहीं। चुनावों के करीब चार महीने बाद भी पार्टी में अराजकता और तदर्थवाद की भावना व्याप्त है दृयहां तक कि राज्य में विधायक दल का नेता अभी तक नियुक्त नहीं किया गया। हरियाणा की शानदार जीत ने भाजपा को महाराष्ट्र जीतने के लिए जोश से भर दिया। और अब 5 फरवरी को मतदान के साथ दिल्ली के लिए सबसे महत्वपूर्ण लड़ाई बस होने को है। यह कोई संयोग नहीं है कि प्रधानमंत्री ने संगम में डुबकी लगाने के लिए उसी दिन को चुना है दृ इसके मायने हैं कि सभी टीवी चौनल मोदी के कुंभ स्नान को बहुत अधिक महत्व देंगे, जिसका अर्थ यह भी है कि दिल्ली के लिए जीवन–मरण की लड़ाई की कवरेज दूसरे स्थान पर सरक जाने का खतरा है। जहां तक प्रयागराज में जीवन और मरण की लड़ाई की बात है, यहां विपक्ष के लिए एक सबक भी है। साल 2022 में, भाजपा ने फिर से यूपी जीता था (समाजवादी पार्टी की 111 सीटों के मुकाबले 255 सीटें लेकर) इस तथ्य के बावजूद कि योगी का प्रशासन कोविड से निपटने में विफल रहा और लोग मक्खियों की तरह मरे थे। लेकिन योगी फिर भी जीत गए क्योंकि कोई विकल्प बनकर प्रस्तुत नहीं हो पाया– समाजवादी पार्टी के कई नेता दिल्ली खिसक लिए तो कुछ लंदन चले गए। महामारी के दौरान गंगा के किनारे पर शव यात्राओं और दाह संस्कारों में अर्थी को कंधा देने के लिए वे वहां मौजूद नहीं थे। यही कारण है यूपी में सब राम भरोसे है। इसलिए नहीं कि भाजपा हर गांव और शहर में हर वोट के लिए जूझती है, बल्कि इसलिए कि विपक्ष ऐसा नहीं कर पा रहा।

दिल्ली के नतीजे बताएंगे कि कांग्रेस अकेली चलेगी या फिर अनिर्णय में फंसी रहेगी

शकील अख्तर

खुद कांग्रेस के नेता राहुल को नहीं पहचान पाए। उनके लिए राहुल भी एक चेहरा तो हैं मगर यह नहीं समझ पाए कि एक ऐसा शख्स उनके पास है जो कभी भी बाजी पलट सकता है। उनको सत्ता में ला सकता है। मुकाबला बहुत मुश्किल है। मोदी ने देश में एक ऐसा माहौल बना दिया है कि जनता पर किसी बात का असर नहीं हो रहा है। अभी कुंभ में भगदड़ में मारे गए लोगों की खबर छुपाई गई। राहुल ने दिल्ली चुनाव में समां बांध दिया। कांग्रेस जो दिल्ली में बिल्कुल खतम हो गई थी उसमें वापस जान फूंक दी। अगर इस चुनाव में राहुल इतने तेवर के साथ सामने नहीं आते तो कांग्रेस की स्थिति दिल्ली में भी बिहार–यूपी की तरह हो जाती। मगर सही टाइम पर राहुल ने दिल्ली का फैसला लिया और मोदी की तरह केजरीवाल पर भी उतने ही कड़े प्रहार किए या यह भी कह सकते हैं कि कांग्रेस की दिल्ली में जमीन आम आदमी पार्टी ने छीनी थी इसलिए उस पर ज्यादा फोकस किया। ज्यादा तगड़े वार! शायद सबसे बड़ा हमला वह था जब उन्होंने कहा कि– विपक्षी नेताओं में केजरीवाल सबसे ज्यादा मोदी से डरते हैं। राजनीति में डरना सबसे बड़ी कमी मानी जाती है। है तो फिल्म का डायलाग मगर राजनीति में बिल्कुल सही है कि जो डर गया समझो वह मर गया। राहुल ने केजरीवाल के राजनीतिक खात्मे की घोषणा कर दी। और यह कांग्रेस के लिए सबसे जरूरी है। राहुल ने बिल्कुल सही कहा कि कांग्रेस और भाजपा में विचारधारा की लड़ाई चल रही थी बीच में केजरीवाल आ गए। खंबे पर चढ़ गए। मगर फिर धड़ाम से गिरे भी। कांग्रेस के लिए यह बहुत जरूरी है। मोदी से आमने–सामने की लड़ाई कांग्रेस के लिए मुश्किल नहीं मगर बहुत सारे आवरण चढ़ाए केजरीवाल से लड़ना इसके लिए शुरू से अनिश्चितता का मामला रहा। 2013 में उसके समर्थन से ही केजरीवाल पहली बार मुख्यमंत्री बने। और फिर 2015 और 2020 में केजरीवाल ने कांग्रेस को शून्य पर ला दिया। वोट परसेन्टेज 4. 3 पर। केवल 11 साल में यह हाल हो गया। जबकि यूपी बिहार में कांग्रेस का बुरा हाल हुआ मगर शून्य पर वह कभी नहीं पहुंची। यूपी में पिछले विधानसभा चुनाव 2022 में वह सबसे कम केवल दो सीटों पर रह गई और बिहार में 2010 के विधानसभा चुनाव में वह सबसे कम केवल 4 सीटों पर रह गई थी। तीनों जगह दिल्ली, बिहार, यूपी इस बात में समानता है कि कांग्रेस कहीं भी एक निर्णय नहीं ले सकी। कभी साथ में कभी अकेले चुनाव लड़ती रही। यूपी में 1989 के बाद से वह सत्ता से बाहर है। और बिहार 1990 के बाद से। मतलब करीब 35– 36 साल से। दिल्ली में भी 11 साल हो गए। मगर अब दिल्ली में कांग्रेस जागी है। कितना कर पाएगी यह तो 8 फरवरी को पता चलेगा। लेकिन दिल्ली में वापस खड़ी हो गई यह अभी से दिखने लगा है। यहीं से कांग्रेस को कोई बड़ा नीतिगत फैसला लेना होगा। राष्ट्रीय स्तर पर माना जाता है कि कांग्रेस ही भाजपा से लड़ रही है। मगर यथार्थ में होता यह है कि कई बड़े राज्यों में कांग्रेस दूसरे विपक्षी दलों के मुकाबले बहुत कमजोर हो जाती है। यूपी, बिहार, दिल्ली का तो अभी बताया ही मगर जम्मू–कश्मीर, झारखंड, पंजाब, महाराष्ट्र के अलावा दक्षिण और नार्थ ईस्ट के राज्यों में भी यही हालत हो गई है। कांग्रेस तीसरे–चौथे नंबर की पार्टी बन गई है। यह तब है जब उसके पास इस समय देश का सबसे निडर, मेहनती और आम जनता से सबसे ज्यादा मिलने जुलने वाला नेता है। सच तो यह है कि कई बार यह कहा जाता है कि देश के लोग राहुल को नहीं पहचान पा रहे। सही बात है। चमक–दमक के इस झालर, पन्नी के दौर में असली मेटल को लोग नहीं पहचान पा रहे। मगर लोगों से शिकायत तो तब बनती है जब खुद उनकी पार्टी उन्हें सही से पहचान लेती! मुख्य बात तो यही है कि खुद कांग्रेस के नेता राहुल को नहीं पहचान पाए। उनके लिए राहुल भी एक चेहरा तो हैं मगर यह नहीं समझ पाए कि एक ऐसा शख्स उनके पास है जो कभी भी बाजी पलट सकता है। उनको सत्ता में ला सकता है। मुकाबला बहुत मुश्किल है। मोदी ने देश में एक ऐसा माहौल बना दिया है कि जनता पर किसी बात का असर नहीं हो रहा है। अभी कुंभ में भगदड़ में मारे गए लोगों की खबर छुपाई गई। अखिलेश यादव ने लोकसभा में बजट से पहले कुंभ में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने की मांग करते हुए कहा कि हमें बजट के आंकड़ें नहीं लापता लोगों के आंकड़े चाहिए। कितने लोग मारे गए। कितने घायल हैं और कितनों का पता नहीं है। विपक्षी दलों ने लोकसभा में जोरदार मांग उठाई, वाक आउट तक कर गए मगर सरकार निश्चिंत बनी रही। उसे लगता है विपक्ष आवाज उठाता रहे जनता नहीं सुनेगी। जनता को नफरत के ऐसे नशे में डाल दिया है कि वह कुछ भी नहीं सुनती, सोचती। बस उसे नफरती बातों से ही खुशी मिलती रहती है। कोई भी बड़ी से बड़ी घटना हो जाए जनता का नशा टूटता नहीं है। नोटबंदी, किसानों का आंदोलन, कोविड में बिना इलाज लोगों का मरना, चिता तक का इंतजाम नहीं, पुलों से लाशों का नीचे फेंकना, लॉकडाउन, लाखों मजदूरों का पैदल जाना, चीन द्वारा घुस कर हमारे आदमियों को मारना, फिर वापस न जाना, प्रधानमंत्री का इस बात को भी नकार देना, कहना न कोई घुसा है न कोई है, मगर किसी बात का असर नहीं होना। ऐसे में राहुल का बिना हिम्मत हारे लगातार लड़ते रहना ही एक मात्र आशा की किरण रही। यहीं यह सवाल पैदा होता है कि क्या कांग्रेसियों को यह नहीं दिखता? या वह अपनी आदत से मजबूर हैं कि राहुल को जो करना है करें मगर हम तो उसी तरह गुटबाजी, काम न करना, अपने स्वार्थों में लिप्त रहना में लगे रहेंगे। जी–23 सिर्फ और सिर्फ राहुल के खिलाफ ही बनाया गया था। 2019 में उन्हीं से अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिलवाया गया था। राजस्थान चुनाव पूरी तरह गुटबाजी की वजह से हारा था। और फिर हरियाणा भी ऐसे ही हाथ में आया हुआ गंवाया गया था। लोग बाकी राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्रकी हार को भी इसी क्रम में खड़ा करने लगते हैं। मगर इन राज्यों में कारण अलग थे। राजस्थान और हरियाणा शुद्ध रूप से सिर्फ गंदी गुटबाजी की वजह हारे गए थे। अगर कांग्रेस हरियाणा जो कि वह जीत रही थी ।

समावेशी आर्थिक नीतियों से समतामूलक विकास

सुरेश

ऑक्सफेम इंटरनेशनल की हालिया रिपोर्ट ब्रिटिश उपनिवेशी शासन के दौरान भारतीय संपत्ति और संसाधनों के दोहन पर केंद्रित रही। ऑक्सफेम के अनुसार, ब्रिटिश साम्राज्य ने भारत की विशाल संपत्ति और संसाधनों का शोषण किया, जिसके कारण भारत के औद्योगिक और कृषि विकास की संभावनाओं पर प्रतिकूल असर पड़ा। कहा जाता है कि भारत से जो धन ब्रिटेन पहुंचा, यदि वह धन ब्रिटेन में बिछा दिया जाए, तो पूरा ब्रिटेन उससे ढक सकता है। अगर इन संसाधनों का भारत में उपयोग होता तो यह न केवल देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करता, बल्कि भारत समतावादी और समृद्ध राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर होता। स्वतंत्र भारत की नीतियों से बुनियादी ढांचे का विकास और उदारीकरण से निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन मिला है। फलतरू भारत ने आर्थिक दृष्टि से ब्रिटेन को पीछे छोड़ दिया है। हालांकि, केवल सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि को आर्थिक विकास का सही मापदंड नहीं माना जा सकता, क्योंकि यह महत्वपूर्ण है कि इस संपत्ति का संचय किन हाथों में हो रहा है। ऑक्सफेम के अध्ययन के अनुसार, आर्थिक संपत्ति का अधिकतर हिस्सा कुछ हाथों में सिमटकर रह गया है, जबकि लाखों भारतीय आज भी रियायती गेहूं पर जीवन यापन कर रहे हैं। इस असमान वितरण के चलते भारत की आर्थिक नीतियों पर पुनर्विचार की आवश्यकता है, विशेषकर जब नया बजट वंचित वर्ग के उत्थान पर केंद्रित है। यदि समृद्धि का एकत्रीकरण केवल कुछ वर्गों तक सीमित रहेगा, तो यह दीर्घकालिक समृद्धि और सामाजिक समरसता के लिए चुनौती बन सकता है। भारत में उदारीकरण की शुरुआत 1991 में हुई, जब डॉ. मनमोहन सिंह ने वित्तमंत्री के रूप में निजी क्षेत्र को बढ़ावा देने और कोटा–लाइसेंस राज को समाप्त करने का निर्णय लिया। इस नीति के तहत निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलने से देश ने तेजी से आर्थिक विकास की राह पकड़ी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीनों पारियों में भारत ने दुनिया में सबसे तेज गति से विकास करने वाली अर्थव्यवस्था का दर्जा प्राप्त किया। हालांकि, 2023 के अंत में विकास दर में थोड़ी गिरावट आई , फिर भी भारत की स्थिति स्थिर रही। जो इसके मजबूत

बुनियादी ढांचे का परिणाम है। रघुराम राजन जैसे अर्थशास्त्रियों के अनुसार, यही स्थिरता भारत को अन्य देशों से पीछे नहीं पड़ने देती। दुनिया में जहां एक ओर मुट्ठी भर अरबपतियों की संपत्ति तेजी से बढ़ रही है, वहीं करोड़ों साधारण लोग रोटी–रोजी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऑक्सफेम के अनुसार, अरबपतियों की संपत्ति में 2023 के मुकाबले तीन गुना वृद्धि हुई है, जो अब 15 हजार अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुकी है। यह संपत्ति अधिकतर उन हाथों में है जो वैश्विक आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करते हैं। वहीं, गरीबों की स्थिति में 1990 से कोई विशेष सुधार नहीं हुआ है। अरबपतियों की संपत्ति उनकी मेहनत से ज्यादा, विरासत, एकाधिकार और कार्टेल की सांठगांठ से उत्पन्न हुई है। इसके विपरीत, गरीब और मेहनती लोग, जिनके पास रोजी–रोटी और आत्म–सम्मान की गारंटी नहीं है, उन्हें अपनी मेहनत का भी उचित फल नहीं मिल पाता। ऑक्सफेम इंटरनेशनल के अमिताभ बेहार ने चिंता जताई है कि धनी वर्ग और अधिक समृद्ध हो रहा है, जबकि गरीबों की स्थिति और कमजोर हो रही है, जिसे वे आधुनिक उपनिवेशवाद मानते हैं। इसमें बहुराष्ट्रीय कंपनियां विश्व संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा हड़प रही हैं। अमेरिका में एक अरबपति राष्ट्रपति बने और सबसे अमीर व्यक्ति उनका शीर्ष सलाहकार पद संभाल रहा है, और मंत्रिमंडल में 13 अरबपति शामिल हैं। इससे साफ है कि भविष्य का बजट अमीरों की जरूरतों पर ज्यादा ध्यान देगा। भारत की स्थिति अलग है, जहां बड़ी आबादी, जिसमें गरीब, किसान, मजदूर और बेरोजगार युवा शामिल हैं, उम्मीद कर रहे हैं कि सरकार उनकी समस्याओं की ओर ध्यान देगी। महंगाई, भ्रष्टाचार का खात्मा और रोजगार जैसी प्रमुख मांगें हैं, जिनका समाधान बजट में होना चाहिए। इसके अलावा, मौद्रिक नीति में भी बदलाव की जरूरत है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से महंगाई नियंत्रण पर ज्यादा ध्यान दिया गया है, लेकिन अब इसे नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है। अमेरिका की बदलती नीतियों और चीन के बदलते दृष्टिकोण ने भारत की मौद्रिक संभावनाओं के लिए नई चुनौतियां उत्पन्न की हैं, जिनका असर भारतीय शेयर बाजार और विदेशी पूंजी पर पड़ा है। इस आर्थिक परिवर्तनों के कारण शेयर बाजार में गिरावट आई और विदेशी पूंजी पलायन हुआ। ऐसे में, अब घरेलू निवेशकों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है, ताकि वे आत्मनिर्भरता के सपने को साकार करने के लिए निवेश करें। हालांकि, घरेलू निवेशकों का विश्वास भारतीय अर्थव्यवस्था में अभी भी बना हुआ है। भारत को अपनी नई आर्थिक नीति में इस विश्वास को संबल देने की कोशिश करनी चाहिए, न केवल बड़े निवेशकों, बल्कि छोटे और कुटीर उद्योगों के निवेशकों को भी इसका फायदा मिल सकेगा। स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से समावेशी आर्थिक नीति की दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता है।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह ने मिल्कीपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उप निर्वाचन–2025 हेतु मतदाताओं के लिए दी महत्वपूर्ण जानकारियां दी'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या मिल्कीपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उप निर्वाचन–2025 हेतु दिनांक 05 फरवरी, 2025 को मतदान होगा। मतदान प्रातः 7.00 बजे से शुरू होकर सायं 5.00 बजे तक है। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि सायं 5.00 बजे मतदेय स्थल पर मतदान हेतु लाइन में लगे मतदाताओं का मतदान अधिकारी द्वारा मतदान कराया जायेगा।मतदाताओं के लिए मतदेय स्थल पर वोट डालने हेतु मतदाता सूची में नाम होना अनिवार्य है। जब कोई मतदाता मतदान हेतु जाता है तो उसे अपनी पहचान सुनिश्चित करने हेतु मतदाता फोटो पहचान पत्र अथवा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मान्य अन्य 12 पहचान पत्र दस्तावेजों में से किसी एक को मतदान अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अन्य 12 पहचान पत्र दस्तावेज (यथा–आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों ध् डाकघरों द्वारा निर्गत फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत निर्गत स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के अन्तर्गत आरजीआई द्वारा निर्गत स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज. केन्द्र / राज्य सरकार ध् लोक उपक्रमध्पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किये गये फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों ध् विधायकोंध् विधान परिषद सदस्यों को जारी किये गये सरकारी पहचान पत्र और यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार) मतदेय स्थल पर मतदाताओं की पहचान किये जाने हेतु मान्य किये गये हैं। मतदाताओं को अपनी मतदेय स्थल संख्या एवं कम संख्या की जानकारी हो सके इसके लिए बी०एल०ओ० द्वारा मतदाता पर्ची मतदाताओं को वितरित की गयी है। बी०एल०ओ० द्वारा 97.26 प्रतिशत मतदाताओं को मतदाता पर्ची का वितरण किया जा चुका है। मतदाता पर्ची में मतदाता की सहायता हेतु मतदेय स्थल संख्या एवं मतदाता कमांक का विवरण रहता है। यदि यह पर्ची मतदाता के पास है और वह इसे लेकर पहचान पत्र के साथ मतदान अधिकारी के समक्ष जाता है तो मतदाता सूची में मतदाता कम संख्या देखने में मतदान अधिकारी को सुविधा होती है तथा समय की बचत भी होती है। यदि किसी मतदाता के पास मतदाता पर्ची नहीं है तो मतदाता को इस आधार पर मतदान करने से रोका नहीं जायेगा। मतदाता पर्ची का मतदाता के पास होना अनिवार्य नहीं है। मतदाताओं की सहायता हेतु मतदेय स्थल पर बी०एल०ओ० उपलब्ध रहेंगे, यदि किसी मतदाता के पास मतदाता पर्ची नहीं है तथा उसे अपनी कम संख्या नहीं पता है तो वह संबंधित मतदेय स्थल के बी०एल०ओ० से अपनी कम संख्या की जानकारी कर सकता है ताकि मतदान अधिकारी के समक्ष कम संख्या बताने से मतदान अधिकारी को सुविधा होगी। मतदाताओं को मतदान के दिन मतदेय स्थल के अन्दर मोबाइल फोन, स्मार्ट फोन इत्यादि को ले जाना मना है।

वाहनों पर बकाया कर 05 फरवरी तक करायें जमा पेनाल्टी में पायें पूरी छूट- एआरटीओ

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार। जनपद में कर बकाया वाहन काफी संख्या में संचालित हो रहे हैं। शासन के द्वारा ऐसी कर बकाया वाहनों को पेनाल्टी में शत–प्रतिशत छूट प्रदान की गई है। यह छूट की अवधि शासन के द्वारा 05 फरवरी 2025 तक निर्धारित की गई है। बुधवार को अंतिम तिथि है। उसके बाद कर बकाया वाहन स्वामियों को अपने टैक्स के साथ–साथ पेनाल्टी भी जमा करनी पड़ेगी। जनपद में प्रवर्तन अधिकारी द्वारा शीघ्र ही ऐसे कर बकाया वाहनों की धरपकड़ करते हुए थानों में बंद किया जायेगा। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन डॉ आरपी सिंह ने समस्त कर बकाया वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे पेनाल्टी में दी जा रही शत–प्रतिशत छूट का लाभ उठाते हुए अपना टैक्स सहायक सम्भागीय परिवहन कार्यालय में जमा करायें।इसके साथ ही बहुत से वाहन स्वामियों द्वारा अपने व्यावसायिक वाहन की फिटनेस नहीं कराई जा रही है, जिस पर प्रथम बार चालान होने पर रू0 5000/– जुर्माना एवं द्वितीय बार चालान होने पर रू0 10000/– जुर्माना देना पड़ता है जबकि वाहन की फिटनेस न कराने पर वाहन का बीमा भी प्रभावी नहीं रह जाता है।समस्त व्यावसायिक वाहन स्वामियों से अनुरोध है कि वे अपने वाहन की फिटनेस यथाशीघ्र करा लें।बहुत से निजी वाहन स्वामी जिनके वाहन की पंजीयन अवधि 15 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, वाहन का पुनर्पंजीयन नहीं कराया गया है और ऐसे वाहन बिना पंजीयन के संचालित हो रहे हैं, ऐसे वाहन चेकिंग के दौरान पकड़े जाने पर रू0 5000/– का जुर्माना भरेंगे और उन्हें थानों में बंद भी किया जा सकता है। असुविधा से बचने के लिए ऐसे सभी निजी वाहन स्वामी अपने दोपहिया और चार पहिया वाहन का पुनरू पंजीयन सहायक सम्भागीय परिवहन कार्यालय में अपने वाहन को ले जाकर अवश्य करा लें। अगर किसी भी वाहन स्वामी को उपरोक्त कार्यों में कोई कठिनाई होती है तो उनसे संपर्क स्थापित कर सकते हैं। एआरटीओ प्रशासन डॉ सिंह ने सभी व्यावसायिक वाहन स्वामियों से अपील किया है कि अपने वाहनों का बकाया टैक्स जमा कराकर शत प्रतिशत पेनाल्टी छूट पाने का लाभ उठाये। किसी भी दशा में शत प्रतिशत पेनाल्टी छूट का मौका हाथ से न जाने दें।

जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कर्मचारियों ने सांकेतिक धरना–प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक फरवरी को हुई एक घटना ने प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मचा दिया। शाहगंज में क्षेत्र प्रमुख के तथाकथित प्रतिनिधि अजय कुमार सिंह ने सहायक विकास अधिकारी (आईएसबी) संजय कुमार श्रीवास्तव के साथ गाली–गलौज कर मारपीट

की। इस घटना के विरोध में कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कर्मचारियों ने सांकेतिक धरना–प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में विभिन्न संगठनों के कर्मचारी शामिल हुए, जिनमें खंड विकास अधिकारी संगठन, ग्राम विकास अधिकारी संगठन, ग्राम्य विकास मिनिस्टिरियल एसोसिएशन, मनरेगा से जुड़े विभिन्न संघ और राज्य कर्मचारी महासंघ प्रमुख थे। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि 3 फरवरी की रात तक आरोपी अजय कुमार सिंह की गिरफ्तारी नहीं होती है, तो मंगलवार से सभी विभाग, विकास खंड और विकास भवन में पूर्ण कार्य बहिष्कार कर दिया जाएगा। कर्मचारियों के इस अल्टीमेटम के बाद पुलिस हरकत में आई और अगली सुबह 8 बजे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

प्रसूति एवं स्त्री रोग संघ (JOGS) द्वारा विभिन्न अस्पतालों में कम दाम पर सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन लगाई गयी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,4 फरवरी।विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर मंगलवार को जौनपुर प्रसूति एवं स्त्री रोग संघ द्वारा विभिन्न अस्पतालों में कम मूल्य पर सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन लगाई गयी।। इसका लाभ 9 वर्ष से 26 वर्ष तक की लड़कियां और महिलाओं को मिला। इस उम्र तक के लोगो को टीका लगाया जा रहा है। इस मामले में जानकारी देते हुए वरिष्ठ महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर शैली निगम ने बताया कि इस दिन को हम लोग एक त्यौहार की तरह मना रहे हैं स्त्री रोग विशेषज्ञ होने के नाते महिलाओं के प्रति यह हमारी जिम्मेदारी बनती है इसलिए हम सर्वाइकल कैंसर से महिलाओं को बचाने के लिए मुहिम चला रहे हैं हम लोगों ने आज के दिन के लिए यह निश्चय किया है कि महिलाओं लड़कियों को कम से कम मूल्य पर एचपीवी का टीकाकरण कर रहे हैं। सामान्यतः प्रतिदिन यह टीकाकरण किया जाता है लेकिन आज का दिन खास है। जानकारी के अभाव में लोग नहीं लगवाते हैं। प्रचार प्रसार के अभाव में लोगों को जानकारी नहीं मिल पाती है। इस शिविर के माध्यम से हम प्रयास करें हैं कि लोग आए अपने बच्चियों को टीका लगवाए और कैंसर से बचाए। आज लगभग 15 16 लड़कियों ने टीका लगाया है और को भी लगवा रहे हैं हमारी संस्था ने निर्णय लिया है कि हम लगातार कम दाम पर लोगों को यह वैक्सीन लगाएंगे। यह टीकाकरण जनपद में लगभग 13 सेंटरों पर किया जा रहा है वहां भी लोग तेजी से टिका लगवा रहे हैं जहां महीने में एक दो लोग लगवाने आते थे वहां आज इस टीकाकरण में इजाफा हुआ है।

स्तन कैंसर की शुरुआती पहचान से बच सकती है जान : प्रो मल्लिका तिवारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में ष्स्तन कैंसररू जांच एवं निदानष् विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जैव रसायन विभाग द्वारा किया गया, जिसमें इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी की प्रसिद्ध कैंसर विशेषज्ञ प्रो. मल्लिका तिवारी ने स्तन कैंसर से बचाव और उपचार पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। प्रो. तिवारी ने कहा कि स्तन कैंसर महिलाओं में होने वाला एक गंभीर और जानलेवा रोग है। भारत में हर घंटे एक महिला की मौत इस बीमारी के कारण होती है। यदि शुरुआती चरण में इसकी पहचान कर ली जाए, तो इसका इलाज संभव है। उन्होंने आत्म–परीक्षण और नियमित चिकित्सा जांच की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे शुरुआती लक्षणों को पहचाना जा सके। प्रो. तिवारी ने बताया कि संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और धूम्रपान व शराब से परहेज स्तन कैंसर के खतरे को कम कर सकता है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे जागरूक रहें और किसी भी असामान्य लक्षण को नजरअंदाज न करें। विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. राजेश शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और जैव रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम की आवश्यकता और उद्देश्य को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि जागरूकता बढ़ाकर इस घातक बीमारी से होने वाली मृत्यु दर को कम किया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजीव कुमार मौर्य ने किया, डॉ. एस. पी. तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। बायोटेक्नोलॉजी विभाग की शोध छात्रा आतिफा हाफिज ने अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम में डॉ. सिपाही लाल, डॉ. मारुति सिंह, डॉ. विवेक, डॉ. अभय, डॉ. दिनेश, डॉ. श्वेता, डॉ. प्रतिमा, ऋषि श्रीवास्तव, ईशानी भारती सहित 300 महिला छात्राएं उपस्थित रहीं।

पठानकोट (पंजाब) से आए दर्शनार्थियों के नकदी तथा नाग मूर्ति को दो घंटे में पुलिस ने किया बरामद

अयोध्या।रविवार को लगभग 85 लोगों का जत्था बस द्वारा पठान कोट पंजाब से अयोध्या दर्शन करने के लिए लक्ष्मण किला में आकर अलग अलग रुम लेकर सभी रुके थे।शनिवार को दिन में लगभग साढ़े नौ बजे सभी लोग तैयार होकर अपने अपने रूम में सामान रख कर दर्शन करने चले गए लगभग तीन बजे दिन मे दर्शन करने के बाद अपने कमरों में आए तो एक कमरे का सामान तितर वितर पड़ा हुआ था सभी ने अपना अपना सामान चेक किया तो एक के बैग से दो चांदी के नाग देवता की मूर्ति व 100ध् रुपए एवं एक का 6000ध्नगद रुपए गायब थे। जिसकी सूचना चौकी प्रभारी लक्ष्मण घाट जय किशोर अवस्थी को प्राप्त हुई।सूचना पर चौकी प्रभारी लक्ष्मण घाट जय किशोर अवस्थी मय हमराही आरक्षी कुलदीप यादव व आरक्षी नीतेश कुमार यादव के साथ मौके पर पहुंच कर दर्शनार्थियों से जानकारी प्राप्त कर आस पास के लगे हुए सीसीटीवी कैमरों को देख कर एक व्यक्ति की पहचान करते हुए चौकी प्रभारी लक्ष्मण घाट जय किशोर अवस्थी अपने साथ हमराही आरक्षी कुलदीप यादव व आरक्षी नीतेश कुमार यादव को साथ लेकर उस व्यक्ति की तलाश करते हुए चोरी करने वाले व्यक्ति को लगभग दो घंटे में ही पकड़ कर चोरी किए गए चांदी के नाग देवता की मूर्ति व समस्त नगद पैसा बरामद कर लिया गया। दर्शनार्थियों की मुखिया महंत प्रियंका महराज जी सहित सभी ने अयोध्या पुलिस और चौकी प्रभारी लक्ष्मण घाट सहित समस्त स्टाफ की इस तत्काल त्वरित कार्यवाही की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए चौकी प्रभारी लक्ष्मण घाट जय किशोर अवस्थी सहित हमराही गणों को सम्मानित किया गया।

महज कुछ ही घंटे मे गायब बालक को परिजनों से मिलाकर देवकाली चौकी प्रभारी व उनकी टीम ने किया सराहनीय कार्य

अयोध्या।सोमवार की दोपहर कोतवाली नगर क्षेत्र के देवकाली पुलिस चौकी स्थित कृष्णा नगर कॉलोनी से 5 वर्षीय बालक खेलते समय अचानक गायब हो गया।बालक के परिजनों द्वारा जब इसकी सूचना देवकाली पुलिस चौकी प्रभारी एस एन सिंह व मुख्य आरक्षी शैलेंद्र यादव व आरक्षी राज कुमार यादव को दिया तो देवकाली पुलिस चौकी प्रभारी श्री सिंह व उनकी टीम ने कुछ ही घंटे में उक्त बालक को ढूंढ कर उनके परिजनों से मिला दिया। बताते चले कि सोमवार को शिव शंकर शर्मा पुत्र केशव प्रसाद शर्मा निवासी ग्राम मगनापुर थाना परसरामपुर जनपद बस्ती जो कि देवकाली पुलिस चौकी क्षेत्र के मोहल्ला कृष्णा नगर देवकाली में किराए पर रहते हैं।उनका बेटा अमर शर्मा उर्फ चिंटू उम्र करीब 5 वर्ष जो सोमवार को करीब दोपहर दो बजे घर से खेलने निकला था।गायब हो गया था इसकी सूचना पर प्रभारी चौकी देवकाली एस एन सिंह व उनकी टीम के द्वारा काफी अथक प्रयास से कुछ ही घंटे मे गायब बच्चे को बरामद कर माता–पिता के सुपुर्द किया। उनके द्वारा किए गए इस सराहनीय कार्य के लिए बच्चों के माता–पिता के अलावा कृष्णा नगर कॉलोनी के वासियों ने इन पुलिस कर्मियों को बहुत–बहुत धन्यवाद दिया।

शराब दुकान पर हमले में पुलिस ने 60 लोगों के खिलाफ मुकदमा किया दर्ज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के बशीरपुर गांव में देशी शराब की लाइसेंसी दुकान पर सोमवार को हुए हमले में पुलिस ने 60 लोगों के खिलाफ कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। दुकान मालिक जय सिंह यादव की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है। घटना 2 फरवरी को शुरू हुई, जब हरिजन बस्ती के कुछ लोगों ने शाम 4 बजे दुकान को जबरन बंद करवा दिया। अगले दिन सुबह 10 बजे जब दुकान खोली गई, तो 50–60 लोगों की भीड़ लाठी–डंडे, रॉड, ईंट और पत्थर लेकर दुकान पर पहुंच गई। आक्रोशित भीड़ ने दुकान में तोड़फोड़ की और सेल्समैन के साथ मारपीट की। हमलावरों ने स्थिति को और भयावह बना दिया जब उन्होंने दुकान के बगल की झोपड़ी में आग लगा दी और जलती मशालें लेकर दुकान की तरफ बढ़े। इस दौरान पूरे इलाके में दहशत का माहौल था। हमलावर दुकान की तरफ आने वाले हर व्यक्ति को धमका रहे थे। सेल्समैन ने अपनी जान बचाने के लिए दुकान का शटर बंद कर लिया और मालिक को फोन पर सूचना दी। इस मामले में मंगलवार बात करते हुए सीओ सिटी आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ शांतिभंग, तोड़फोड़ और बलवा समेत आठ धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। घटना के दो गवाह, सेल्समैन कन्हैया यादव और प्रेमचंद ने भी अपना बयान दर्ज कराया है। स्थानीय लोगों द्वारा बनाए गए वीडियो को भी सबूत के तौर पर शामिल किया गया है।

सीनियर आडिटर पद से सेवानिवृत अवधेश कुमार श्रीवास्तव का निधन,परिवार में शोक की लहर

अयोध्या। संयुक्त विकास आयुक्त कार्यालय में सीनियर ऑडिटर के पद से सेवानिवृत्त अवधेश कुमार श्रीवास्तव का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने वजीरगंज हैदरगंज क्रॉसिंग के निकट स्थित अपने आवास पर आज शाम 4 बजे अंतिम सांस ली। श्रीवास्तव जी के निधन से उनके परिवार में गहरा शोक है। उनके नाती अंशित श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि, पारिवारिक रीति–रिवाजों के अनुसार, कल सुबह 10 बजे जमथरा में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। अवधेश कुमार श्रीवास्तव का जीवन समर्पण और निष्ठा से भरा हुआ था। उन्होंने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण योगदान दिए और प्रशासनिक कार्यों में अपनी ईमानदारी और कार्यकुशलता के लिए पहचाने गए। उनके निधन से परिवार, मित्रों और कार्यस्थल पर शोक की लहर दौड़ गई है।

सेंट मीराज ब्रेनर कांटेस्ट विनर सम्मानित हुए

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। सेन्ट मीराज इण्टर कालेज में सेंट मिराज ब्रेनर कांटेस्ट का आयोजन किया गया, जिसके प्राइज डिसटीब्यूशन सेरेमनी में माननीय कौशल जी अवध प्रान्त के प्रचारक, प्रबन्धक श्री विनोद रतड़ा जी, एवं डायरेक्टर श्रीमती रिद्धिमा रतड़ा उपस्थित थी। इस प्रतियोगिता में 100 बच्चों ने प्रतिभाग गया। प्रतियोगिता के दूसरे राउन्ड में 30 बच्चे सिलेक्ट हुए। जिन्हे स्कूल बैग देकर सम्मानित किया गया, तीसरे राउन्ड में 11 बच्चे सिलेक्ट हुये जिन्हे स्मार्ट वॉच देकर सम्मानित किया गया, चौथे राउन्ड में 5 बच्चे सिलेक्ट हुए जिन्हे ब्लूटूथ स्पीकर देकर सम्मानित किया गया फाइनल राउंड में विजेता 2 बच्चे आदर्श गुप्ता – शुभ विश्वकर्मा रहे, जिन्हें टैबलेट एवं ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रशान्त भाटिया जी, सरदार निर्मल सिंह जी एवं आलोक शुक्ला जी उपस्थित रहे।

सुर ताल संगम संस्था के स्थापना दिवस और वसंत पंचमी के पावन अवसर पर श्री सरस्वती मंदिर में दिव्य भजन संध्या एवं भंडारे का आयोजन किया गया

मृत्युंजय प्रताप सिंह

वसंत पंचमी के पावन पर्व पर संगीत एवं समाज सेवा में अग्रणी संस्था सुर ताल संगम का स्थापना दिवस मनाया गया। गोमती नदी के तट शुक्ला घाट पर स्थित प्राचीन श्री सरस्वती माता मंदिर के प्रांगण में स्व पद्मश्री डॉ योगेश प्रवीन की स्मृतियों को समर्पित करते हुए सुर ताल संगम संस्था के प्रमुख पदाधिकारियों और कलाकारों ने अपने स्वरों से पुष्पांजलि अर्पित की। सर्वप्रथम बतौर मुख्य अतिथि श्रीमती संगीता जायसवाल ने संस्था के अध्यक्ष श्री अजय श्रीवास्तव, डायरेक्टर डॉ जया श्रीवास्तव,संरक्षिका सहर जावेद फारूकी, अविजित श्रीवास्तव, आद्या श्रीवास्तव,राजेन्द्र नाथ,अनीता सिंह,प्रकाश खन्ना आदि पदाधिकारियों समेत विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद सुमन मिश्रा आदि के साथ दीप प्रज्जवलित कर माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। भजन संध्या की शुरुआत बाल नृत्यांगना पीहू ने भरतनाट्यम शैली में सरस्वती वंदना की प्रस्तुत के द्वारा की। फिर सुप्रसिद्ध गायिका डॉ जया श्रीवास्तव ने स्वर्गीय पद्मश्री डॉ योगेश प्रवीन की रचित सरस्वती वंदना गाकर तथा मुंबई से पधारीं लोकप्रिय गायिका आद्या श्रीवास्तव ने मीरा भाव में भजन गाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद अनीता सिंह,प्रकाश खन्ना,वंदना श्रीवास्तव,राजेन्द्र नाथ, रमन श्रीवास्तव आदि ने अत्यंत मधुर भजनों से माहौल भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम की आकर्षण केन्द्र बनीं नवोदित लोकप्रिय गायिका अद्विका श्रीवास्तव ने शास्त्रीय संगीत पर आधारित भजनों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर आए हुए सभी श्रद्धालुओं को तहरी तथा हलवा प्रसाद वितरण किया गया। सभी उपस्थित भक्त समूह ने सुर ताल संगम के लिए शुभकामनाएं देते हुए आयोजन की भूरि भूरि प्रशंसा की।

हाईवे पर खड़े ट्रेलर में जा घुसी कार,चालक की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। महाकुंभ से स्नान कर वापस लौट रहे श्रद्धालुओं की कार रविवार देर रात अनियंत्रित होकर कबीरपुर के पास सुल्तानपुर हाईवे पर खड़ी ट्रेलर में जा घुसी।हादसे में कार सवार सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।पुलिस ने आनन–फानन में घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। वाहन पर मौजूद डाक्टर ने कार चालक को मृत घोषित कर दिया। जबकि दो की हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर रिफर कर दिया।वहीं अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई। राजस्थान के खैरथल निवासी चालक कृष्ण कुमार (60) अपने परिवार के छह लोगों के साथ कार से महाकुंभ में स्नान करने आए थे। संगम में डुबकी लगाने के बाद कार सवार अयोध्या और वाराणसी में दर्शन करने के बाद रविवार रात करीब 12 बजे लखनऊ के रास्ते वापस राजस्थान लौट रहे थे।

पूजा सेवा समिति के पूजा पंडाल में सरस्वती पूजा का भव्य आयोजन

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। पूजा सेवा समिति के पूजा पंडाल में सरस्वती पूजा का भव्य आयोजन भी हुआ । इस दिन सरस्वती माँ के सामने छोटे बच्चों का हाथे कोडी (पहली बार लिखना) भी किया गया । इसमें बच्चो के लिए खेल कूद, कला एवं नृत्य प्रतियोगिता का भी आयोजन एवं पुरस्कार वितरण किया गया, यहाँ पर इस दिन फल एवं भोग प्रसाद वितरण किया जायेगा इस पूजा में

सेना के अधिकारी गण एवं कैंट क्षेत्र के नागरिक पूजा पंडाल में एकत्र हो कर बड़े धूम धाम से मनाते है तथा भोग प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर समिति के समस्त सदस्यों एवं कैंट क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों एवं वरिष्ठ आर्मी अधिकारी परिवार के साथ उपस्थित उपस्थित हुए।

खिलाड़ियों ने अपनी जर्सी के पीछे अपनी मां का नाम लिखवाया, आयोजन हो गया भावनात्मक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए प्रथम श्रीमती प्रतिमा सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में सीआईडी टीम ने सुपरनोवा को 7 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। टॉस सीआईडी टीम ने जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। सुपरनोवा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 125 रन बनाए। जवाब में, सीआईडी ने 18 ओवरों में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। सीआईडी के रामू यादव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 50 रन बनाए, जबकि रत्नेश सिंह ने भी 33 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। गेंदबाजी में राजनिकांत चक्रवर्ती ने 4 ओवर में मात्र 10 रन देकर 3 विकेट झटके। सुपरनोवा की ओर से आयुष अग्रवाल (गोलू) ने 25 रन बनाए, जबकि गेंदबाजी में जस्मीत सिंह ने 4 ओवर में 20 रन देकर 1 विकेट लिया। इस टूर्नामेंट की सबसे खास बात यह रही कि सभी खिलाड़ियों ने अपनी जर्सी के पीछे अपनी मां का नाम लिखवाया था, जिससे यह आयोजन और भी भावनात्मक और प्रेरणादायक बन गया। खिलाड़ियों के परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में स्टेडियम में मौजूद रहे और उन्होंने अपने बेटों का हौसला बढ़ाया। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार श्री नरेंद्र भदौरिया और भारतीय जनता युवा मोर्चा के महामंत्री श्री हर्षवर्धन सिंह उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री अनिल कुमार ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। लखनऊ क्रिकेट के कई वरिष्ठ खिलाड़ी, जिनमें श्री आदिल पाशा और श्री एस.पी. सिंह और सुनील दत्त त्रिपाठी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस टूर्नामेंट का आयोजन अविशा स्पोर्टिंग, वेलनेस लखनऊ और डी.डब्ल्यू.एस. के सहयोग से किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि ष्ऐसे आयोजन हमेशा यादगार होते हैं और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हैं।ष इस भव्य आयोजन की सफलता को देखते हुए आयोजन समिति ने द्वितीय संस्करण की घोषणा कर दी है। ष्श्रीमती प्रतिमा सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट – सीजन 2ष में 24 टीमें भाग लेंगी और यह 1 नवंबर 2025 से शुरू होगा। मैन ऑफ द सीरीज का खिताब शाजेब खान रसेल ने जीता, जबकि टूर्नामेंट के बेस्ट बल्लेबाज शैलेंद्र सिंह रहे, बेस्ट गेंदबाज का खिताब करियर के अजय द्विवेदी को मिला, बेस्ट फील्डर का खिताब रामू यादव ने जीता और बेस्ट विकेटकीपर का पुरस्कार बीडब्ल्यूसीए के शुभम को दिया गया।

भारत की तरक्की पर विराज बहल का अनोखा नजरिया बदलाव सादगी से भी आता है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आंत्रप्रेन्ध्योरशिप अथवा उद्यमिता, जो आज हर जगह चर्चा में है, 1980 के दशक में इतना प्रचलित नहीं था। वीबाए वीआरबी कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक और शार्क टैंक इंडिया 4 के नए शार्क, विराज बहल की यात्रा एक गहरी सोच मेहनत का फल हमेशा मीठा होता है, से शुरू हुई थी। उस दौर में इसे उद्यमिता का नाम नहीं दिया गया था, बल्कि यह कुछ नया और सार्थक बनाने की जिघ्द, अथक मेहनत और दृढ़ संकल्प का नतीजा था। बहल अपने मंत्र बोरिंग इज सेक्ष्सी रू सादगी में ही सफलता है में विश्घ्वास रखते हैं और यह समझाता है कि लगातार और अनुशासित तरीके से काम करना तड़क.भड़क या तात्कालिक रुझानों से ज्यादा अहम है। उनका मानना है कि सफलता उन छोटे–छोटे कामों में छिपी होती है, जो किसी भी व्यवसाय की बुनियाद

को मजबूत बनाते हैं। उनके लिए किसी बिजनेस को सफल बनाने की कुंजी है . धैर्य के साथ बुनियादी चीजों पर फोकस बनाये रखना और लगातार मेहनत करना। विराज भारत में उद्यमिता की क्षमता में पूरा यकीन करते हैं और इसे सपोर्ट करते हैं। वे इस बात पर जोर देते हैं कि शार्क टैंक इंडिया जैसे मंचों ने उद्यमिता के बारे में सोच को पूरी तरह बदल दिया है। वे मानते हैं कि इन मंचों ने उद्यमिता को न केवल सुलभ बल्कि प्रेरणादायक भी बनाया हैए जिससे लोग अपने विचारों को अपनाने और उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित होते हैं। उनके अनुसार यह सांस्कृतिक बदलाव विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। वे यह भी बताते हैं कि भारत हमेशा से ही एक उद्यमिता प्रधान देश रहा है, चाहे वो किसान हों, छोटे दुकानदार हों या आज के इनोवेटिव स्टार्टअप के संस्थापक। युवाओं, खासकर जो अपने सफर की शुरुआत में हैं, के लिये बहल धैर्य रखने और खुद को खोजने की अहमियत पर जोर देते हैं। इस बारे में बताते हुये उन्होंने कहा अगर आइडिया दिल से न आए तो कोई भी बाहरी सलाह उसे अपनाने में मदद नहीं करेगी। अपने आप को किसी आइडिया के पीछे भागने के लिये मजबूर मत करेंए बल्कि जीवन के अनुभव लें, नए रास्ते अपनायें और सही अवसर खुद ब खुद तुम्हारे पास चलकर आएगा। वे युवाओं को सोशल मीडिया या बाहरी दबाव के बजाय जीवन के विभिन्न अनुभवों को अपनाने और अपनी सोच का दायरा बढ़ाने की सलाह देते हैं, ताकि सफलता का सही मतलब समझ सकें। अपने शब्दों और कामों से बहल उद्यमिता को एक जमीन से जुड़ी और व्यावहारिक दिशा में बढ़ावा देते हैं। वे नए उद्यमियों को बताते हैं कि सफलता रातोंरात मिलने वाली चीज नहीं है, इसके लिए मेहनत, जुनून और स्पष्ट उद्देश्य की जरूरत होती है। उनकी अपनी यात्रा इस बात का जीवंत उदाहरण है कि अगर आप अपने उद्देश्य के प्रति सच्चे रहते हैं और जो काम आपको साधारण लगते हैं अगर उनपर ध्यान देते हैं तो आपको निश्चित तौर पर असाधारण परिणाम मिलेंगे।

मौनी अमावस्या पर जगद्गुरु साईं माँ लक्ष्मी देवी ने सैकड़ों विदेशी भक्तों के साथ महाकुम्भ में किया अमृत स्नान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

प्रयागराज। मौनी अमावस्या के अवसर पर जगद्गुरु साईं माँ लक्ष्मी देवी जी ने विभिन्न देशों से आए अपने सैकड़ों विदेशी भक्तों के साथ प्रयाग महाकुम्भ में अमृत स्नान किया।

कुंभ के सेक्टर 17 स्थित अपने शक्तिधाम आश्रम शिविर से परम्परागत रूप से जगद्गुरु साईं माँ एवं उनके 9 विदेशी मूल के महामंडलेश्वर संतों के साथ जापान के 50 से अधिक और अमेरिका, , फ्रांस, चिली, कनाडा सहित कई देशों के सनातन में विश्वास करने वाले अनूयायी काफी संख्या में शामिल हुए। इनमें महामंडलेश्वर अनंतदास महाराज, महामंडलेश्वर त्रिवेणी दास महाराज, महामंडलेश्वर श्रीदेवी मां , महामंडलेश्वर जीवन दास महाराज, महामंडलेश्वर ललिता श्री मां, महामंडलेश्वर आचार्य दयानंद दास महाराज, महामंडलेश्वर राजेश्वरी मां शामिल रहे। इसके अलावा – बेल्जियम से क्लेमेंट,आयरलैंड से थॉमस – स्विट्जरलैंड से क्रिश्चियन, यूएसए से एस्ट्रिड ,जापान से सयाका,बेल्जियम से केली, कनाडा से एलोडी ने भी अमृत स्नान कियाघ।

इस अवसर पर जगद्गुरु साईं माँ ने कहा कि ष्अद्भुत, अविस्मरणीय, दिव्य, भव्य और अलौकिक महाकुंभ मेला धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण आयोजन है। यह भावनाओं और आस्था का मेला है। मौनी अमावस्या के अवसर पर त्रिवेणी पर स्नान हमारे लिए सौभाग्य की बात है, उन्होंने भगदड़ की वजह से अपनी जान गंवाने वाले और घायल लोगों के लिए प्रार्थना की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की, उन्होंने कहा कि शक्ति धाम आश्रम में हम उनके लिए यज्ञ का आयोजन भी करेंगे।

गौरतलब है कि प्रयागराज में 2019 के कुंभ मेले में, साईं माँ के नौ ब्रह्मचारियों को विष्णुस्वामी वंश के अखिल भारतीय श्री पंच निर्मोही अनी अखाड़े में महामंडलेश्वर के रूप में दीक्षा दी गई, जो 2700 वर्ष से भी पुराना है। यह एक ऐसा सम्मान है जो ब्रह्मचारियों के ऐसे अंतरराष्ट्रीय समूह को पहले कभी नहीं दिया गया।

जगद्गुरु साईं माँ

स्वामी बालानंदाचार्य द्वारा 1477 ईस्वी में स्थापित अखिल भारतीय श्री पंच निर्मोही अनी अखाड़ा से संबंधित हैं।

मॉरीशस में एक हिंदू ब्राह्मण परिवार में जन्मी साईं माँ ने अपना जीवन सनातन धर्म के शाश्वत ज्ञान को विश्व भर में फैलाने के लिए समर्पित कर दिया है। साईं माँ ने दिव्य प्रेम और सेवा के प्रतीक के रूप में काशी (वाराणसी), भारत में शक्तिधाम आश्रम की स्थापना की, जिसने विश्व भर से छात्रों को आकर्षित किया है।

साईं माँ ने अमेरिका, जापान, कनाडा, यूरोप, इजराइल और दक्षिण अमेरिका में आध्यात्मिक केंद्रों के निर्माण को प्रेरित किया है, अपनी परिवर्तनकारी शिक्षाओं और प्रथाओं के माध्यम से लोगों को एकजुट किया है। इसके अलावा, साईं माँ शक्तिशाली यज्ञों और प्राचीन वैदिक अनुष्ठानों के माध्यम से ऊर्जावान रूप से काम करती हैं ताकि व्यक्तियों, समुदायों और मानवता को शुद्ध और उन्नत किया जा सके।

इन दो जातियों के हाथ में सीट को जीतने की चाभी, भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बनी जीत-हार

लखनऊ, (संवाददाता)। मिल्कीपुर विधानसभा सीट के लिए हो रहे उपचुनाव में यों तो भाजपा और सपा के बीच सीधा मुकाबला दिख रहा है। सपा के बागी व आजाद समाज

पार्टी (कांशीराम) के सूरज चौधरी व कांग्रेस के बागी भोलानाथ भारती इसे बहुकोणीय बनाने की कोशिश कर रहे हैं। चुनाव में दलित व ब्राह्मण वोट निर्णायक भूमिका में हैं। जो दल इन दोनों जातियों को साधने में सफल रहेगा उसके सिर जीत का सेहरा बंधेगा। इसी वजह से दोनों दलों के क्षत्रपों ने पूरे इलाके को मथ दिया है। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद फैजाबाद संसदीय सीट पर भाजपा की हार की वजह से यह चुनाव काफी महत्वपूर्ण हो गया है। पूरे देश की नजर दिल्ली विधानसभा के साथ हो रहे इस एकमात्र सीट के उपचुनाव पर टिकी हुई है। आरक्षित सीट होने की वजह से सभी दलों से दलित समुदाय के लोग ही चुनाव मैदान में हैं। भाजपा और सपा दोनों ही पासी बिरादरी से प्रत्याशी के बलबूते चुनाव मैदान में हैं। दोनों पार्टियों ने विधायकों तथा रणनीतिकारों की फौज उतार रखी है। सभी अपने अपने तरीके से मतदाताओं को भुनाने में जुटे हुए हैं। ब्राह्मण मतदाताओं को साधने के लिए भाजपा ने पूर्व विधायक खब्बू तिवारी और सपा ने पूर्व मंत्री पवन पांडेय व अन्य को लगा रखा है। खब्बू लगातार इलाके में सक्रियता बनाए हुए हैं। भाजपा के चंद्रभानु व सपा के अजित प्रसाद दोनों ही युवा हैं। दोनों इलाके में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। यदि 2002 से पिछले पांच विधानसभा चुनाव की बात की जाए तो तीन बार सपा और भाजपा व बसपा एक–एक बार जीत दर्ज करने में सफल रही है। चुनाव में सपा और भाजपा दोनों के साथ ऐसे कुछ समीकरण हैं जिससे उन्हें कुछ फायदा है तो नुकसान भी। भाजपा के चंद्रभानु पासवान को टिकट मिलने के बाद अन्य दावेदार नाराज हो गए। इनमें पूर्व विधायक बाबा गोरखनाथ, रामू प्रियदर्शी भी थे, लेकिन बाद में मुख्यमंत्री के आश्वासन पर सभी नाराज नेता चुनाव प्रचार में शामिल हो गए। सपा के लिए फायदे की बात यह है कि पूर्व मंत्री व कद्दावर नेता मित्रसेन यादव के बेटे आनंद सेन साथ हैं। पहली बार सेन परिवार अवधेश प्रसाद के साथ आया है। हालांकि, उसे बागी व आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) प्रत्याशी सूरज चौधरी से नुकसान पहुंच सकता है। सूरज सांसद अवधेश प्रसाद का करीबी बताया जाता है और चुनाव की घोषणा से कुछ दिन पहले उन्होंने परिवारवाद व अन्य गंभीर आरोप लगाते हुए सपा से किनारा कर लिया था। इसके साथ ही कांग्रेस के साथ होने के बाद भी पार्टी के कद्दावर नेता भोलानाथ भारती मैदान में हैं। कांग्रेस की ओर से नोटिस दिए जाने के बाद भी वह मैदान से नहीं हटे। भोलानाथ ने जिला पंचायत चुनाव में सपा प्रत्याशी तथा अवधेश प्रसाद के बेटे अजित प्रसाद को हराया था। इस वजह से उनका क्षेत्र में जनाधार बताया जाता है। सपा परिवारवाद के आरोप से भी जूझ रही है। सपा पर सत्ताधारी दल की ओर से लगातार इसको लेकर हमले किए जा रहे हैं। वह इसे भुनाने में लगी हुई है। इलाके के लोगों का कहना है कि क्षेत्र के विकास की बात होनी चाहिए। बेरोजगारी कैसे दूर हो, इसकी चिंता हो। कैसे युवाओं का अन्य जगहों पर रोजी–रोटी की तलाश में जाना रुके, इस पर ध्यान होना चाहिए। मुद्दे पर तो बात ही नहीं हो रही है, सब अपनी पार्टी के लिए वोट मांग रहे हैं। आखिर नई पीढ़ी के सामने रोजी–रोजगार के क्या साधन होंगे, पढ़ाई लिखाई, स्वास्थ्य की कैसी व्यवस्था होगी, यह प्राथमिकता होनी चाहिए। चाहे इलाके में सभाएं हों या रोड शो या पार्टियों की बैठकें सभी में वादे किए जा रहे हैं, लेकिन किसी ने भी ठोस एलान नहीं किया। यह नहीं बताया कि रोडमैप क्या होगा।

22 साल बाद राज्य ललित कला अकादमी देगी सर्वोच्च सम्मान

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्य ललित कला अकादमी 22 साल के बाद अधिसदस्यता सम्मान देने जा रही है। यह अकादमी का सर्वोच्च सम्मान है। आठ फरवरी को अकादमी के स्थापना दिवस पर यह सम्मान देश के प्रसिद्ध छापा चित्रकार (ग्राफिक्स) पद्मश्री प्रो. श्याम शर्मा को दिया जाएगा। प्रो. शर्मा पटना आर्ट्स कॉलेज के पूर्व प्राचार्य भी रह चुके हैं। अकादमी की निदेशक डॉ. श्रद्धा शुक्ला ने बताया कि स्थापना दिवस समारोह में प्रदेश के संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह प्रो. श्याम शर्मा को 51 हजार रुपये की सम्मान राशि, प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न देंगे। इस मौके पर प्रो. शर्मा की कला यात्रा पर केंद्रित पुस्तक का लोकार्पण भी होगा। इससे पहले 2003 में यह सम्मान राजधानी के कला एवं शिल्प महाविद्यालय के प्राचार्य रह चुके प्रो. जय कृष्ण अग्रवाल को दिया गया था। ललित कला अकादमी की स्थापना आठ फरवरी 1962 में हुई थी। आठ फरवरी 1941 को मथुरा जिले के गोवर्धन में जन्मे और अब पटना में रह रहे प्रो. श्याम शर्मा ने फोन पर अमर उजाला से खास बातचीत में बताया कि यह उनके लिए बेहद सम्मान की बात है कि जिस लखनऊ ने उन्हें तराशा, वहीं पर सम्मान प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

निर्भया कांड से भी ज्यादा वीभत्स है घटना, सख्त सजा दी जाए : कांग्रेस सांसद

लखनऊ, (संवाददाता)। अयोध्या में एक नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के मामले में कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है। ये घटना दिल्ली में हुए निर्भया कांड से भी ज्यादा खौफनाक है। उन्होंने कहा कि दोषियों पर तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए। ये सब कुछ अयोध्या में हुआ है। क्या यही रामराज्य है। दोषियों को तत्काल सजा दी जाए। मुख्यमंत्री योगी ने लिया संज्ञान, परिजनों से फोन पर की बात मामले का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी संज्ञान

लिया है। रविवार को उन्होंने परिजनों से फोन पर बात की। मुख्यमंत्री ने श्रम एवं सेवायोजन राज्य मंत्री को पीड़ित परिवार से मुलाकात करने के लिए मृतका के घर भेजा और यथासंभव हर मदद करते हुए न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया है। श्रम एवं सेवायोजन राज्य मंत्री मनोहर लाल कोरी रविवार को अयोध्या पहुंचे। यहां उन्होंने मृतका के परिवार से मुलाकात की और न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। अयोध्या पहुंचे राज्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि घटना बहुत ही दर्दनाक है। जघन्य अपराध हुआ है। दुर्दांत तरीके से बिटिया की हत्या हुई है। मुख्यमंत्री ने पूरे मामले को संज्ञान में लिया और उन्होंने मुझे भेजा है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि दोषियों को नहीं बक्शा जाएगा। इस घटना को लेकर सांसद अवधेश प्रसाद के रोने पर राज्य मंत्री ने कहा कि यह लोग नाटकबाज हैं। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार से मुलाकात करने के लिए मुझे भेजा है। सरकार पीड़ित परिवार के साथ है।

बिना नोटिस 346 बिजलीकर्मी बर्खास्त, गन्ना दफ्तर में जोरदार प्रदर्शन, बड़े आंदोलन की चेतावनी दी

लखनऊ, (संवाददाता)। अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस और अखिल भारतीय विद्युत कर्मचारी संघ के बैनर तले बिजली कर्मचारियों ने मंगलवार को गन्ना दफ्तर में जोरदार धरना–प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बिना किसी पूर्व सूचना के 346 कर्मचारियों की बर्खास्तगी पर नाराजगी जताई और इसे अन्याय करार दिया। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों का कहना है कि अधिकारियों ने बिना नोटिस दिए उन्हें नौकरी से निकाल दिया और उनकी जगह नई भर्तियां कर लीं। उन्होंने आरोप लगाया कि भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है और पैसे लेकर नियुक्तियां की गई हैं। बाराबंकी में कुल 1050 संविदा कर्मचारी लाइनमैन के पद पर कार्यरत थे, लेकिन अधिकारियों ने अब सिर्फ 670 कर्मचारियों को ही बनाए रखने का फैसला किया। इससे 346 कर्मचारियों की नौकरी छिन गई। कर्मचारी संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर बर्खास्त किए गए कर्मचारियों को बहाल नहीं किया गया, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे।

लखनऊ एयरपोर्ट पर बिजली जाने से यात्रियों को हुई थोड़ी मुश्किल

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ स्थित अमौसी एयरपोर्ट पर बिजली जाने से यात्रियों को थोड़ी मुश्किल हुई। उन्हें आने–जाने में थोड़ी देर हुई। हालांकि, तकनीकी टीम ने जल्द ही बिजली व्यवस्था फिर बहाल कर दी। सीसीएसआईए प्रवक्ता ने कहा कि चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर आज सुबह बिजली गुल होने के कारण यात्रियों को आने–जाने में थोड़ी देरी हुई। एयरपोर्ट की तकनीकी टीम शीघ्र बिजली बहाल करने में सफल रही। इस दौरान उड़ान संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। इस पूरी अवधि के दौरान, लखनऊ हवाईअड्डा परिचालन टीम ने हवाई अड्डे के हितधारकों से साथ मिलकर यात्री संपर्क बिंदुओं पर यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सहयोग किया।

दौड़ परीक्षा का प्रवेश पत्र डाउनलोड करने का लिंक जारी, इस तरह कर सकते हैं डाउनलोड

लखनऊ, (संवाददाता)। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आरक्षी नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षण (दौड़) का पहले चरण का प्रवेश पत्र डाउनलोड करने का लिंक रविवार को जारी कर दिया गया। अभ्यर्थी बोर्ड की वेबसाइट uppbpb-gov-in से अथवा लिंक बता दें कि बोर्ड द्वारा शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन 10 से 27 फरवरी तक कराया जाना प्रस्तावित है। दूसरे चरण की परीक्षा के लिए 10 फरवरी को प्रवेश पत्र जारी होंगे। बोर्ड ने शारीरिक मानक परीक्षा और दस्तावेजों के सत्यापन में सही पाए गए अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र में अंकित परीक्षा केन्द्र पर निर्धारित तिथि व समय पर उपस्थित होने को कहा है। परीक्षा 45वीं वाहिनी अलीगढ़, 12वीं वाहिनी फतेहपुर, आठवीं वाहिनी बरेली, नौवीं वाहिनी मुरादाबाद, 26वीं वाहिनी गोरखपुर, 37वीं वाहिनी कानपुर, 33वीं वाहिनी झांसी, 35वीं वाहिनी लखनऊ, छठवीं वाहिनी मेरठ, 47वीं वाहिनी गाजियाबाद, 20वीं वाहिनी आजमगढ़ और 39वीं वाहिनी मिर्जापुर में कराया जाना प्रस्तावित है। बोर्ड ने इन वाहिनियों के सेनानायकों को निर्देश दिया है कि वह दौड़ के लिए ट्रैक, संसाधन, जनशक्ति, सुरक्षा, फर्नीचर, एम्बुलेंस, परीक्षा दल और संबंधित स्टाफ की व्यवस्था सुनिश्चित करें। तकनीक के जरिए परीक्षा में सेंधमारी रोकने के पुख्ता इंतजाम भी किए गए हैं। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर अपने ई–आधार कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस व मूल आधार कार्ड के साथ आना होगा।

संक्षिप्त समाचार

निजी मेडिकल कॉलेजों में औचक निरीक्षण, कहीं फैकल्टी कम तो कहीं बंद मिल ओटी

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के निजी मेडिकल कॉलेजों में बड़े पैमाने पर खामियां मिली हैं। कहीं संकाय सदस्यों की संख्या कम मिली है तो कहीं ऑपरेशन थियेटर (ओटी) में ताला बंद मिला। अब इन सभी कॉलेजों को नोटिस जारी कर सप्ताहभर में जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं। जवाब मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश में चल रहे 36 निजी मेडिकल कॉलेजों में तीन पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के तहत चल रहे हैं। इन कॉलेजों की चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय से सात बिंदुओं पर जांच कराई गई। सरकारी कॉलेजों के तीन–तीन सदस्यीय टीम को निजी कॉलेजों के औचक निरीक्षण के लिए भेजा गया। इन टीमों ने आधारभूत संरचना, संकाय सदस्यों की तीन माह की उपस्थिति पंजिका, छह माह की सेलरी स्लिप, ओपीडी, आईपीडी, ओटी सहित अन्य की अलग– अलग रिपोर्ट, छात्र–छात्राओं से वसूले जा रहे शिक्षण शुल्क आदि की जांच की। टीमों ने अपनी रिपोर्ट महानिदेशालय को सौंप दी है। चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशक किंजल सिंह ने बताया कि मेडिकल कॉलेजों की व्यवस्थाएं सुधारने के लिए जांच कराई गई थी। रिपोर्ट मिलने के बाद सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। सूत्रों की मानें तो निजी कॉलेजों में संकाय सदस्यों के नाम तो हैं, लेकिन उपस्थिति पंजिका पर उनके हस्ताक्षर नहीं मिले हैं। कई कॉलेजों में ऑपरेशन थियेटर में वर्षों से ताला बंद मिला है। गौतमबुद्धनगर के एक कॉलेज में छात्रों ने निर्धारित शुल्क से ज्यादा फीस लेने की शिकायत की है। लखनऊ स्थित कॉलेज में ऑपरेशन थियेटर में दर्शाई गई सामग्री नहीं मिली।

ट्रेनों में गेट से सीट तक खचाखच भीड़, एसी बोगियों में पैर रखने की जगह नहीं

लखनऊ, (संवाददाता)। ऐ बाबू...ऐ भइया...ऐ अम्मा। धक्का न मारो...अभी ट्रेन प्लेटफॉर्म पर खड़ी है। सब लोग आराम से चढ़ो...सबको वसंत पंचमी पर महाकुंभ में डुबकी लगानी है। अरे...वो देखा एक माताजी का बैग छूट गया, उनको बता दो, नहीं दो परेशान होंगी। अरे भाई, हमने बता दिया है, आप ट्रेन की बोगी में चढ़ो...भीड़ बहुत है। भाईजी, चढ़े कैसे...ट्रेन के गेट से लेकर सीट तक खचाखच भीड़ है...कदम ही नहीं बढ़ा पा रहे हैं। पीछे से सवारियां धक्का मार रही हैं। भाइया, आप आगे नहीं बढ़ोगे तो हम आरक्षित सीट तक भी नहीं पहुंच पाएंगे। यह नजारा है चारबाग रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर एक पर रविवार शाम 6:15 बजे खड़ी गंगा गोमती एक्सप्रेस का। यह ट्रेन अक्सर प्लेटफॉर्म नंबर आठ से रवाना होती है। वसंत पंचमी का पर्व दो दिन मनाया जा रहा है। ऐसे में प्रयागराज महाकुंभ में शाही स्नान के लिए बड़ी संख्या में लखनऊ से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। रविवार को प्रयागराज जाने वाली नौचंदी, त्रिवेणी, बरेली प्रयागराज, गंगा गोमती एक्सप्रेस आदि ट्रेनों की स्लीपर से लेकर एसी बोगियों तक में भीड़ रही।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।